RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 7 , अंकः75 , मंगलवार, 28 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

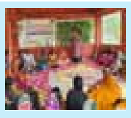

मातृत्व योजनाओं की जानकारी से सशक्त होंगे परिवार 03

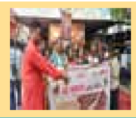

सम्मान आह्वान अभियान का भव्य आयोजन, गौ संरक्षण को लेकर उठी मांग 04

परवीन बॉबी से रेखा तक को देखा, कृतिका कामरा ने बताए मटका... 07

संक्षिप्त समाचार

जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद खत्म

- केजरीवाल बोले-उनके बेटे को केंद्र से सबसे ज्यादा केस मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को वीडियो जारी कर कहा, 'शराब नीति घोटाला मामले में मैं हाईकोर्ट में न खुद पेश होऊंगा और न ही कोई मेरी तरफ से दलीलें रखेगा। उन्होंने कहा, हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। पूर्व सीएम ने जस्टिस स्वर्णकांता को लेटर भी लिखा। इसमें कहा, 'मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए महात्मा गांधी के सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला किया है। इसकी वजह है कि जस्टिस स्वर्णकांता के दोनों बच्चे केंद्र सरकार के वकील के पैनल का हिस्सा हैं। इसमें साफ तौर पर हितों का टकराव दिखता है।' उन्होंने कहा, 'सॉलिसिटर

जनरल तुषार मेहता दोनों बच्चों को केस देते हैं। उनके बेटे को 2023 से 2025 के बीच करीब 5904 केस मिले। अगर जज के बच्चों का भविष्य सॉलिसिटर जनरल तय कर रहे हैं तो क्या जज साहिबा उनके खिलाफ फैसला सुना पाएंगी।' दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में निचली अदालत ने केजरीवाल समेत 24 आरोपियों को बरी कर दिया है। सीबीआई ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा इस केस की सुनवाई कर रही हैं। केजरीवाल उन पर हितों के टकराव का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने जस्टिस स्वर्णकांता की कोर्ट में उन्हीं को हटाने की याचिका लगाई। केजरीवाल ने खुद इस केस की पैरवी की। 20 अप्रैल को जस्टिस स्वर्णकांता ने यह याचिका खारिज कर दी।

ट्रंप पर तो गोली चलनी थी भारत में भी ऐसा ही माहौल

- महाराष्ट्र से कांग्रेस विधायक वडेट्टीवार का विवादित बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के डिनर में हुई गोलीबारी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को निशाने पर लिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके शासन करने के तरीके को देखते हुए ये होना ही था। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इसकी तुलना भारत से भी की। कांग्रेस के पांच बार के विधायक वडेट्टीवार ने

कहा, ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अपना दबदबा बनाने और दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश की। जैसी करनी, वैसी भरनी... चूंकि चीजें वैसी नहीं हुई जैसी उन्होंने उम्मीद की थी, इसलिए ऐसा होना ही था। **भारत में भी लोगों का मिजाज ऐसा ही-** उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप के फैसलों से अमेरिका को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने विवादित बयान देते हुए कहा कि भारत में भी लोगों का मिजाज कुछ अलग नहीं है। हालांकि, वडेट्टीवार ने किसी नेता या संवैधानिक पद का नाम लेने से परहेज किया। उन्होंने कहा, चूंकि यहां लोग सड़कों पर नहीं उतर रहे हैं, इसलिए यह भ्रम बना हुआ है कि सब कुछ ठीक है। लेकिन लोगों की भावना अभी भी वही है कि भारत को नुकसान पहुंचा है।

सिक्किम पहुंचे पीएम मोदी, गंगटोक में किया रोड शो

- आज 4000 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास
- राज्य के 50वें स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम में होंगे शामिल

गंगटोक (एजेंसी)। पीएम मोदी सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंच गए हैं। वे सोमवार दोपहर 3 बजे गंगटोक पहुंचे। जिसके बाद लिबिंग हेलीपैड से गवर्नर हाउस (लोक भवन) तक उनका रोड शो शुरू हुआ। मोदी दो दिवसीय सिक्किम दौरे पर हैं। कल वे राज्य के 50वें स्थापना दिवस समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे और 4000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। 16 मई 2025 को सिक्किम को राज्य बने 50 साल पूरे हुए थे। तब पीएम वर्चुअली 50वें स्थापना दिवस समारोह से जुड़े थे।

मंगलवार को एक साल से चल रहे समारोह का समापन होगा। 4 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास पीएम अपने दो दिवसीय दौरे पर शिक्षा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन, पर्यावरण और कृषि से जुड़ी लगभग 4 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनमें नामची में 100 बेड का अस्पताल, देओराली में 30 बेड का अस्पताल, तीस्ता नदी पर दो डबल-लेन स्टील पुल और गंगटोक में सिविल सर्विस ऑफीसर्स इंस्टीट्यूट शामिल हैं।

कर्नाटक में फिर सीएम बदलने की चर्चा हुई तेज

- शिवकुमार बोले-हाईकमान जो कहेगा सिद्धारमैया मानेंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर से मुख्यमंत्री परिवर्तन की चर्चा तेज है। हालांकि दिल्ली में पार्टी हाईकमान से चर्चा करके वापस लौटे डिप्टी सीएम शिवकुमार ने हमेशा की तरह इस बार भी पार्टी के भीतर किसी भी तरह के मतभेद की खबरों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि पार्टी और सरकार में कोई समस्या नहीं है। कर्नाटक का नेतृत्व किसके पास होगा इसके बारे में जल्दी ही पता चल जाएगा। बता दें, शिवकुमार का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब सरकार के तीन साल पूरे होने के बाद सीएम बदलने की चर्चाएं तेज हैं। दिल्ली में पार्टी हाई कमान से हुई मीटिंग के बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार करते हुए

डिप्टी सीएम ने कहा, हाई कमान ने क्या फैसला किया है। इसके बारे में आपको जल्दी ही पता चल जाएगा। इसलिए मैं आपको यह नहीं बताऊंगा। वे (पार्टी हाईकमान) सही समय पर जो सही होगा वही करेंगे। मुझे उन पर पूरा भरोसा है। उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पार्टी हाईकमान के फैसले के ऊपर सीएम सिद्धारमैया के रिएक्शन पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हाई कमान जो भी फैसला लेगा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया उसे स्वीकार करेंगे।

'भट्ठी' बना देश गर्म हवाओं ने 'झुलसाया'

- दुनिया के 100 गर्म शहरों में से हमारे 95 शहर
- पूरे भारत में चरम पर पहुंच गया गर्मी का प्रकोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रचंड गर्मी ने पूरे भारत की नींद उड़ा रखी है। अप्रैल में ही देश के कई जगहों पर पारा 40 डिग्री के पार चला गया है। वहीं, देश अभी से ही भीषण लू चलने लगी है, जिससे देश के कई शहर बेहद गर्म हो गए हैं। भारतीय मौसम विभाग ने हीटवेव यानी लू को लेकर चेतावनी दी है कि यह स्थिति उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अगले तीन दिनों तक बनी रहेगी। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ क्षेत्र, बिहार और गुजरात में यही हालात बने रहने वाले हैं।

एजेंसी के अनुसार, झांसी, ओरछा और बालनगीर भारत के सबसे गर्म शहरों में से हैं। वहीं, विंडीडॉट कॉम के अनुसार, सोमवार दोपहर तक नई दिल्ली, अहमदाबाद और गुना का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया था। वहीं, नागपुर का पारा 42 डिग्री तक चढ़ गया था। बाकी धनबाद, प्रयागराज का तापमान 40 डिग्री के करीब रहा।

महाराष्ट्र के अकोला में पारा 46.9, देश में सबसे गर्म

देश में भीषण गर्मी जारी है। राजस्थान, यूपी और महाराष्ट्र के 7 शहरों में रविवार को तापमान 46 डिग्री के पार चला गया। महाराष्ट्र का अकोला 46.9 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। अमरावती 46.8, बांदा 46.6, वर्धा और बाड़मेर 46.4, जैसलमेर और यवतमाल 46 तापमान के साथ हीटवेब की चपेट में हैं। यूपी के 60 जिलों में लू का अलर्ट है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पहली बार तापमान 45 डिग्री पहुंचा। इंदौर-भोपाल में भी पारा 43डिग्री पर बना हुआ है। उत्तराखंड के देहरादून में गर्मी के चलते 12वीं तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

दुनिया की 100 सबसे गर्म शहरों में से 95 भारत में

इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे 100 गर्म शहरों में से 95 शहर भारत में ही हैं। इसमें मध्य भारत से होकर गंगा के मैदानों तक कई शहरों में तापमान 40 डिग्री तक पहुंच चुका है। वहीं, कहीं-कहीं यह 45 डिग्री के पास पहुंच सकता है। हाल ही में झारखंड के धनबाद जिले के बाघमारा-कतरास के सोनारडीह स्थित टांडाबस्ती में एक महीने के भीतर तीसरी बार हुए भीषण धरती धंसने से पूरी बस्ती को उजाड़ कर रख दिया है। रात में गहरी नींद के दौरान एक जोरदार धमाके के साथ धरती फटी और देखते ही देखते 20-25 घर पाताल में समा गए।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच हो गया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

अब सभी एक्सपोर्ट पर ड्यूटी जीरो हुई, 5000 भारतीयों को वर्किंग वीजा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) साइन हो गया है। अब भारत से न्यूजीलैंड भेजे जाने वाले लेदर प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे सामानों पर कोई एक्सपोर्ट ड्यूटी नहीं लगेगी। जिससे इन श्रम-प्रधान क्षेत्रों यानी लेबर इंटेंसिव सेक्टर्स को सीधा लाभ होगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे एक पीढ़ी में एक बार होने वाला समझौता बताया। वहीं मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पीयूष गोयल ने इसे भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक संबंधों में नए अध्याय की शुरुआत बताया है। पीयूष गोयल ने कहा कि यह एफटीए विश्वास, साझा मूल्यों और टिकाऊ आर्थिक विकास के साझा विजन को दर्शाता है। यह समझौता भारत के लिए ओशिनिया और प्रशांत द्वीपीय बाजारों तक पहुंचने का गेटवे भी बनेगा।

न्यूजीलैंड 15 साल में भारत में 1.8 लाख करोड़ का निवेश करेगा

एग्रीमेंट का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बाइलेटरल ट्रेड को दोगुना करना और भारत में बड़े विदेशी निवेश को आकर्षित करना है। एग्रीमेंट के तहत न्यूजीलैंड से अगले 15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.8 लाख करोड़) का निवेश आने की उम्मीद है। पीयूष गोयल ने कहा कि इस समझौते से भारतीय व्यापारियों, विशेषकर आगरा के लेदर एक्सपोर्टर्स के लिए बड़े अवसर खुलेंगे।

टीएमसी सांसद मिताली की कार पर हमला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हुगली में सोमवार को टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। टीएमसी का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने गोगहाट में उनकी गाड़ी पर ईंट-पत्थर और लाठियों से हमला किया। हमला उस वक्त हुआ, जब मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थीं। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को चोट आई है। दोनों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टीएमसी ने अपने ट्वीट में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने धमकी दी थी कि जो भी घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उसी के बाद यह हमला हुआ।

गिरफ्तारी से बचने 'सुप्रीम' शरण में पहुंचे पवन खेड़ा

- असम सीएम हिमंता की पत्नी पर लगाए थे गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुवाहाटी हाई कोर्ट द्वारा एंटीसिपेटरी बेल की याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। वह असम के मुख्यमंत्री हिमंता की पत्नी द्वारा एफआईआर मामले में एंटीसिपेटरी बेल के लिए शीर्ष अदालत पहुंचे हैं। गौरतलब है कि पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि हिमंत की पत्नी रिंकी भुइयां के पास तीन देशों का पासपोर्ट होने का आरोप लगाया था। इसके बाद हिमंत बिस्वा सरमा ने काफी आक्रामक जवाब दिया था। इससे पहले गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद कांग्रेस की प्रतिक्रिया आई थी। शनिवार को पार्टी की तरफ से कहा गया कि वह अपने मीडिया विभाग के प्रमुख के साथ खड़ी है। साथ ही उम्मीद जताई कि उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय की जीत होगी। पवन खेड़ा ने हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के आरोपों से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी।

- पुतिन और मोदी ने चीन-अमेरिका को दिए पांच बड़े संदेश

भारत-रूस की नई सैन्य डील से दहशत में दुनिया!

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के लीगल इन्फॉर्मेशन पोर्टल ने हाल ही में भारत के साथ पिछले साल हुए लॉजिस्टिक्स सपोर्ट के आपसी आदान-प्रदान यानि रीलोज सैन्य लॉजिस्टिक्स समझौते की जानकारी दी है। इसके तहत दोनों देश एक दूसरे के देश में 3000 सैनिक, 10 लड़ाकू विमान और पांच युद्धपोतों की तैनाती कर सकेंगे। भारत और रूस के बीच किए गये इस सैन्य समझौते की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। रूसी समाचार एजेंसी से बात करते हुए भारत के पूर्व एयर मार्शल अनिल चोपड़ा (सेवानिवृत्त) ने लिखा है कि इस समझौते से भारत और रूस ने दुनिया को पांच अहम संदेश दिए हैं। रीलोज समझौता क्या है- इस समझौते के तहत भारत और रूस की थल सेना, नौसेना और वायु सेना एक-

दूसरे के सैन्य अड्डों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों का उपयोग कर सकेंगी। इस समझौते के तहत दोनों देश ईंधन, राशन, मरम्मत सेवाएं, स्पेयर पार्ट्स और रखरखाव जैसी सुविधाओं के लिए एक-दूसरे के नेटवर्क का इस्तेमाल कर पाएंगे।

बंदरगाहों तक पहुंच मिलेगी जिससे उसकी रणनीतिक पहुंच बढ़ेगी- इसके अलावा इस समझौते के तहत भारत को रूस के आर्कटिक (जैसे मरमंस्क) और सुदूर पूर्व (जैसे व्लादिवोस्तोक) के बंदरगाहों तक पहुंच मिलेगी जिससे उसकी रणनीतिक पहुंच बढ़ेगी। भारत-रूस बने हुए हैं रणनीतिक साझेदार- पूर्व एयर मार्शल अनिल चोपड़ा ने बताया है कि पेपे एस्कोबार ने मार्च में झूठा दावा किया था कि भारत ने रूस के साथ विश्वासघात किया है लेकिन रीलोज समझौते के बाद यह बात सच्चाई से कोसों दूर साबित होती है। इस समझौते के जरिए हिंद महासागर क्षेत्र में रूस की शीत युद्ध के दौर वाली स्थायी सैन्य मौजूदगी फिर से बहाल हो गई है। इसी तर अगर भारत चाहे तो अब उसे रूसी सुदूर पूर्व और आर्कटिक क्षेत्र में भी एक अभूतपूर्व स्थायी सैन्य मौजूदगी हासिल हो जाएगी जो उनकी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की मजबूती का प्रतीक है। इसलिए उनके बीच किसी भी तरह की दरार को लेकर लगाई जा रही अटकलें पूरी तरह से गलत हैं।

रूस चीन को आर्कटिक पर हावी नहीं होने देगा

मॉस्को ने हाल ही में स्पष्ट किया है कि रूस चीन का जागीरदार नहीं है तो ये देश वहां बड़े पैमाने पर निवेश करने में ज्यादा सहज महसूस कर सकते हैं। रूस चीन को आर्कटिक पर हावी नहीं होने देगा- सीएनएन के साथ साथ कई मीडिया आउटलेट्स लंबे समय से यह डर फैलाते रहे हैं कि रूस चीन का पिछलग्गू बनकर उसे आर्कटिक पर हावी होने देगा और इसीलिए रूस के लिए इस क्षेत्र का सैन्यीकरण करना बेहद जरूरी है। रिटायर्ड एयर मार्शल अनिल चोपड़ा ने लिखा है कि यह बात कभी भी विश्वसनीय नहीं थी और अब रीलोज के कारण यह पूरी तरह से गलत साबित हो गई है। क्योंकि रीलोज पश्चिमी देशों के अनुकूल भारत को अगर वह चाहे तो, वहां अपनी सैन्य मौजूदगी स्थापित करने की अनुमति देता है।

अमेरिका से तनाव के बीच मास्को पहुंचे अराघची

- राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे ईरानी विदेश मंत्री

मॉस्को (एजेंसी)। अमेरिका से तनाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची सोमवार को रूस पहुंचे। उनका रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने की संभावना है। उनका दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका के साथ युद्धविराम टूटने की आशंका है। ईरान ने पाकिस्तान में अमेरिकी अधिकारियों से मिलने से मना कर दिया था। ईरान के विदेश मंत्रालय ने टेलीग्राम पर बताया कि अब्बास अराघची सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचे हैं जहां उनके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने की उम्मीद है। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब अराघची ने इस्लामाबाद की यात्राओं के बीच ओमान का भी दौरा किया। मध्यस्थ तेहरान और वॉशिंगटन के बीच शांति वार्ता को जीवित रखने की कोशिशों में जुटे हैं।

संक्षिप्त समाचार

'मैं मर रही हूं, पति को भी जिंदगी भर तड़पाना'

हाजीपुर। 'मां, मैं मर रही हूं। तुम मयंक राज को ऐसी सजा दिलाना कि वो कभी दोबारा शादी न कर पाए। जैसे मैं तड़प-तड़प कर मर रही हूं, वैसे ही वो भी जिंदगी भर तड़पता रहे।' मरने से पहले ये बातें नेहा कुमारी (23) ने अपनी मां को भेजे वॉइस नोट में कही थी। नेहा ने मायके में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। महिला ने मरने से पहले अपने पति और मां को वॉइस ऑडियो भेजा। नेहा की शादी 24 नवंबर 2025 को महुआ थाना क्षेत्र के भदवास तरौरा गांव निवासी लालबाबू राय के बेटे मयंक राज से हुई थी। मयंक पटना सचिवालय में ग्राम विकास परियोजना में कार्यरत है। घटना महुआ थाना क्षेत्र की है। मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही नेहा को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। लगातार दबाव, अपमान और तनाव के कारण उसने आत्महत्या कर ली। नेहा के भाई निखिल कुमार ने बताया, 'हमने 5 महीने पहले नेहा की शादी पूरे रीति-रिवाज से की थी। परिवार ने अपनी क्षमता के मुताबिक शादी में खर्च किया था। हमने सोना-चांदी और घर के सामान भी दिए थे। हमें उम्मीद थी कि बहन पढ़े-लिखे परिवार में जाएगी तो सुखी से रहेगी। शादी के 3 महीने तक नेहा-मयंक के बीच सब कुछ ठीक चल रहा था। तीन महीने बाद जब मयंक पटना से छुट्टी लेकर वैशाली आया, तब नेहा ने इच्छा जताई कि इस बार वह भी उसके साथ पटना जाएगी। इस पर मयंक ने कहा कि तुम यहीं रहो और मेरे घरवालों का ध्यान रखो, मैं छुट्टी लेकर घर आता रहूंगा और तुमसे मिलता रहूंगा।' परिवार का आरोप है कि एक महीने पहले मार्च से हालात बदलने लगे थे। पिछले करीब चार सप्ताह से नेहा को ससुराल पक्ष के लोग लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। बार-बार दहेज और गहनों की मांग की जा रही थी। मृतका के भाई ने बताया कि 23 अप्रैल को मयंक राज खुद नेहा को मायके छोड़कर गया था। उस समय जब परिवार वालों ने नेहा से पूछा कि क्या पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ है, तो उसने कहा कि कोई बड़ी बात नहीं है, बस छोटी सी लड़ाई हुई है। नेहा ने परिवार को यह भी बताया था कि ससुराल पक्ष की ओर से पैसों की मांग की जा रही है। इस पर भाई ने कहा था कि वह मयंक से बात करेगा, लेकिन नेहा ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। उसने कहा कि बात बढ़ाने की जरूरत नहीं है। परिजनों के अनुसार, 25 अप्रैल को मयंक राज ने फोन कर उन्हें पटना के एजी कॉलोनी स्थित घर बुलाया। उसने कहा कि आप लोग नेहा को लेकर वहां आ जाइए। इसके बाद परिवार वाले नेहा को साथ लेकर पटना पहुंचे, लेकिन वहां घर पर ताला लगा मिला। जब मयंक को फोन कर इस बारे में पूछा गया, तो उसने कहा कि वह भूल गया था और वापस वैशाली आ गया है। यह सुनकर परिवार हैरान रह गया।

महिला का शव फंदे से लटका मिला, किराए के मकान में रहती थी, बेटी को खेलने के लिए बाहर भेजा

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र के अंदरकिला कुशवाहा चौक स्थित एक किराए के मकान में एक महिला का शव पंखे से लटका मिला। सूचना मिलने पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। मृतका की पहचान मध्य प्रदेश निवासी अजय उपाध्याय की पत्नी सुनैना कुमारी (30) के रूप में हुई है। उसके पास मिले आधार कार्ड पर बिदुपुर थाना क्षेत्र के काशीनाथ सिंह की पुत्री सुनैना कुमारी लिखा था। सुनैना पिछले कई वर्षों से अपनी 2 साल की बेटी के साथ कुशवाहा चौक पर किराए के मकान में रह रही थी। उसका पति अजय उपाध्याय मध्य प्रदेश में एक दवा कंपनी में कार्यरत है। बताया जा रहा है कि अजय उपाध्याय ने भागकर सुनैना कुमारी से शादी की थी। मृतका की मां से जब दैनिक भास्कर की टीम ने बात कि तो उन्होंने कहा, 'मुझे मेरी बेटी से कोई मतलब नहीं है।' रविवार शाम करीब चार बजे सुनैना ने अपनी बेटी को खेलने के लिए बाहर भेज दिया था। जब बेटी वापस लौटी, तो उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद पाया। बच्ची के बार-बार आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। बगल के किराएदार ने भी दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद किराएदार ने मकान मालिक और पुलिस को सूचना दी। नगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से दरवाजा तोड़ा। अंदर महिला का शव पंखे से लटका मिला। पुलिस ने मामले की छानबीन के बाद एफएसएल टीम को बुलाया। एफएसएल टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और कुछ नमूने एकत्र किए। मृतका के पास मिले मोबाइल से उसके परिजनों को घटना की सूचना दी गई। नगर प्रभारी थानाध्यक्ष मोहन कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है और मामले की गहन छानबीन की जा रही है।

वैशाली पुलिस ने साइबर फ्रॉड गैंग का खुलासा किया, नकली आधार कार्ड और सरकारी स्कीम में सेंधमारी

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह नकली आधार कार्ड बनाने और सरकारी योजनाओं में सेंधमारी करने में शामिल था। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह मुजफ्फरपुर के एक युवक द्वारा ग्राहक सेवा केंद्र (CSP) की आड़ में संचालित किया जा रहा था। एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि मुजफ्फरपुर निवासी धर्मेंद्र पंडित इस गिरोह का मास्टरमाइंड है। वह लंबे समय से यह अवैध धंधा चला रहा था। पुलिस ने यह भी बताया कि इस गिरोह की गतिविधियों से

राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न हो रहा था। गिरोह अपराधियों और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों को नकली आधार कार्ड बनाकर सप्लाई करता था। धर्मेंद्र ने गिरफ्तार किए गए अन्य दो युवकों को फिंगरप्रिंट क्लोन करने और नकली आधार कार्ड बनाने का प्रशिक्षण दिया था, जिन्हें देश के अन्य राज्यों में भी भेजा जाता था। पुलिस ने बेलसर थाना क्षेत्र के बीबीपुर चौक स्थित एयरटेल पेमेंट बैंक के आउटलेट पर छापा मारा। मौके से मिनी एटीएम मशीन, फिंगरप्रिंट मशीन, क्लोन फिंगरप्रिंट, 30 से अधिक आधार कार्ड, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, लैपटॉप, कैमरा और बायोमेट्रिक उपकरण सहित भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया। गिरोह के पास से भारी मात्रा में प्रिंटर और अन्य उपकरण भी बरामद किए गए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

गंडक नदी में डूबे 2 बच्चे, मौत, हाजीपुर में नहाने के समय हुई घटना, अस्पताल में मृत घोषित

हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत तगौल घाट पर गंडक नदी में नहाने के दौरान 2 किशोरों की डूबने से मौत हो गई। यह घटना रविवार सुबह करीब 10 बजे हुई। सूचना मिलते ही इलाके में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतकों की पहचान नगर थाना के बागमली निवासी अजय राय का बेटा रवि कुमार (12) और मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की थाना के धरमुहा गांव निवासी (वर्तमान पता कृष्णपुरी बागमली) राणा सिंह के बेटे अंश कुमार उर्फ भोला (11) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, अंश कुमार साइकिल से गेहूं पिसाने के लिए घर से निकला था। गेहूं मिल में रखने के बाद वह रवि कुमार के साथ तगौल घाट स्थित गंडक नदी किनारे गया, जहां दोनों नहाने के दौरान गहरे पानी में डूब गए। मौके पर गंडक नदी में स्नान कर रही महिलाओं ने शोर मचाया। वहां मौजूद एक व्यक्ति ने दोनों किशोरों के नदी किनारे रखे चप्पल और नदी में खड़ी साइकिल की तस्वीरें खींचकर सोशल मीडिया पर साझा कर दीं। इन तस्वीरों को देखकर रवि कुमार के परिजन नदी किनारे पहुंचे, जिसके बाद अंश कुमार के परिजन भी वहां आ गए। घटना की सूचना हाजीपुर के प्रभारी सीओ अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी उदय कुमार, नगर थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष मोहन कुमार और एसडीआरएफ टीम को दी गई। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की दो टीमों ने घंटों चले सर्च ऑपरेशन के बाद दोनों किशोरों के शवों को नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने आनन-फानन में दोनों शवों को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। नगर थाना के पुलिस पदाधिकारियों ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद परिजन शवों को लेकर अपने गांव चले गए। जानकारी के अनुसार मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की निवासी राणा सिंह की पत्नी बच्चों की पढ़ाई के लिए कृष्णा पुरी बागमली में किराए के मकान लेकर पिछले कई सालों से रहती है।

बिहार में शराबबंदी के 10 साल, 17 लाख गिरफ्तारी, 11 लाख केस

एक साल में 8,403.46 करोड़ राजस्व वसूली कर बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार के मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी सीएम और मद्य निषेध विभाग के मंत्री विजेंद्र यादव मौजूद थे। इस दौरान विभाग की नई रिपोर्ट में दो बड़ी उपलब्धियां सामने आई हैं। एक ओर शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई है। दूसरी ओर निबंधन विभाग ने राजस्व वसूली में नया रिकॉर्ड बनाकर राज्य की आय बढ़ाने में बड़ी सफलता हासिल की है। सरकार का दावा है कि तकनीक और पारदर्शी व्यवस्था की बदौलत कानून व्यवस्था और राजस्व संग्रह दोनों में बेहतर परिणाम मिले हैं।

बिहार सरकार ने बनाया नया रिकॉर्ड: निबंधन विभाग के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2025-26 में 8,403.46 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह किया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। सरकार ने 8,250 करोड़ रुपये का लक्ष्य तय किया था, लेकिन विभाग ने लक्ष्य से अधिक 101.86 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की। यह प्रदर्शन विभाग की बेहतर कार्यप्रणाली

और डिजिटल व्यवस्था को दर्शाता है।

शराबबंदी कानून के तहत लाखों कार्रवाई: सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक, 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2026 तक शराबबंदी कानून के तहत कुल 11 लाख 37 हजार 731 मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 17 लाख 18 हजार 58 लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह आंकड़े बताते हैं कि राज्य में शराबबंदी कानून को लागू कराने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

तकनीक के सहारे तस्करी पर नकेल: शराब तस्करी रोकने के लिए सरकार आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। दियारा और नदी क्षेत्रों में निगरानी के लिए 42 ड्रोन और 12 स्पीड मोटर बोट लगाए गए हैं। इसके अलावा राज्यभर में 84 चेक पोस्ट बनाए गए हैं, जिनमें 67 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट हैं। सभी चेक पोस्ट सीसीटीवी कैमरों से लैस हैं। मार्च 2026 तक जब्त अवैध शराब का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा नष्ट किया जा चुका है।

राजस्व वसूली में पटना अव्वल, दानापुर सबसे आगे: राजस्व वसूली के मामले में पटना जिला पहले स्थान पर है। इसके बाद अरवल और औरंगाबाद का स्थान है। वहीं, निबंधन कार्यालयों में दानापुर ने सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए 134 प्रतिशत राजस्व प्राप्ति दर्ज की, जो पूरे राज्य में सबसे अधिक है।

सरकार रजिस्ट्री प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए तेजी से डिजिटाइजेशन कर रही है। ई-निबंधन पोर्टल के जरिए लोग घर बैठे ऑनलाइन अपॉइंटमेंट ले सकते हैं, शुल्क जमा कर सकते हैं और दस्तावेज डाउनलोड कर सकते हैं। विभाग ने 1995 से 2026 तक के करीब 2.34 करोड़ दस्तावेजों को डिजिटल कर दिया है। 'बिहार निबंधन नियमावली 2026' लागू होने के बाद रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी तरह पेपरलेस हो जाएगी।

पटना में 'डायन' बताकर महिला की बेरहमी से पिटाई

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के दयाचक मोहल्ला में अंधविश्वास का एक मामला सामने आया है। यहां 'डायन' बताकर एक महिला की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। बेहोश होने पर हमलावर उसे मृत समझकर मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल महिला को बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। उसकी पहचान अंजलि देवी के तौर पर हुई है।

दुकान पर हमला, लाठी-डंडों से पिटाई: पीड़िता अंजलि देवी ने बताया कि, वह अपनी दुकान पर बैठी थीं। तभी 8 से 10 लोग, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, वहां आ धमके। उन्होंने अंजलि पर 'डायन' होने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। जब अंजलि ने विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान अंजलि देवी दर्द से कराहते हुए मौके पर ही बेहोश हो गईं। हमलावर उसे मृत समझकर घटनास्थल से फरार हो गए। इसके बाद परिजनों ने अंजलि को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया।

बेहोश होने पर मृत समझकर भागे आरोपी, वीडियो आया सामने, पुलिस जांच में जुटी

इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर पुलिस की मौजूदगी में पीड़िता के साथ मारपीट की जा रही है। अंजलि देवी ने बताया कि, उनकी मौसी और मामी समेत पांच महिलाओं ने तीन नकाबपोश युवकों के साथ मिलकर उनकी दुकान पर हमला किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि ये रिश्तेदार पहले भी दो बार उन्हें 'डायन' कहकर मारपीट कर चुके हैं और उनके बच्चे को खाने का आरोप लगाते हैं।' अंजलि के पति दीपक कुमार ने भी बताया कि, 'जब वह घर पहुंचे तो उनकी पत्नी बेहोश मिलीं और उन्होंने रिश्तेदारों द्वारा मारपीट किए जाने की बात बताई।'

बिहटा के रामतरी में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया

एजेंसी, पटना

एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज, पटना ने सोमवार को बिहटा प्रखंड के रामतरी गांव में एक वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं सहित ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजनों को डीईए फंड और विभिन्न बैंकिंग योजनाओं का लाभ पहुंचाना था। इसका लक्ष्य 'हर नागरिक तक बीमा, हर जीवन सुरक्षित' के विजन को साकार करना है।

प्रशिक्षक और क्षेत्र समन्वयक बबलू कुमार ने बताया कि भारत तेजी से बढ़ते बीमा कवरेज के साथ सामाजिक सुरक्षा को मजबूत कर रहा है। उन्होंने विजन 2047 के तहत प्रत्येक नागरिक को बीमा से जोड़ने पर जोर दिया। भारत वर्तमान में विश्व का 10वां सबसे बड़ा बीमा

बाजार है और अनुमान है कि वर्ष 2032 तक यह 6वां सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। बढ़ता प्रीमियम, करोड़ों पॉलिसियां और लाखों करोड़ के क्लेम एक विश्वसनीय बीमा तंत्र का संकेत देते हैं।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 26.88 करोड़ से अधिक और अटल पेंशन योजना में 9 करोड़ से अधिक लोगों का नामांकन दर्शाता है कि देश विकसित भारत 2047 की दिशा में अग्रसर है। प्रशिक्षण के दौरान आमजनों को अपनी उम्र के अनुसार विभिन्न बीमा और पेंशन योजनाओं से जुड़ने की सलाह दी गई।

होटल कारोबारी को गोली मारने वाले युवक को मिली बेल, कस्टम अधिकारी का बेटा है

एजेंसी, पटना

16 फरवरी की देर रात बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के मोहिनी मोड़ के पास वर्चस्व की लड़ाई में दो गुट आपस में भिड़ गए थे। घटना में शामिल कस्टम अधिकारी के बेटे प्रिंस को पटना हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है। प्रिंस ने एंटीसिपेटरी बेल फाइल की थी। प्रिंस को बेल मिलने के बाद उसके दूसरे साथी निशु मोहित और भोलू नेवी एंटीसिपेटरी बैल फाइल की है। जिस पर पटना हाई कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

बताया गया कि लड़ाई से पहले सभी ने बोरिंग रोड पार्किंग में मोहित नाम के युवक का बर्थडे सेलिब्रेट किया था। इस पार्टी में सभी ने केक काटने के बाद जमकर शराब पी थी। इसी दौरान किसी बात पर विवाद हुआ और मोहिनी मोड पहुंचते ही मारपीट और फायरिंग होने लगी। तकरीबन सात राउंड से अधिक फायरिंग हुई।

7.65 एमएम के 7 खोखे मिले थे: पुलिस ने घटना के बाद मौके से 7.65 एमएम के 7 खोखे बरामद किए थे। इसी विवाद के दौरान पूर्वी चंपारण छतौनी का रहने वाला होटल कारोबारी विकास गोली लगने से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने एक अपने बयान और एक घायल विकास के बयान पर दो FIR दर्ज की। घटना के बाद प्रिंस, भोलू, निशु, मोहित, एंथोनी,

♦ बाकी 3 आरोपियों ने भी फाइल की एंटीसिपेटरी बेल

दीपक, छोटू का नाम सामने आया। इन लोगों की गिरफ्तारी के लिए पटना पुलिस लगातार दबिश देती रही। यहां तक उनकी घरों पर इश्तहार भी चश्पा किया गया। हालांकि कोशिश के बावजूद भी पुलिस पिछले 2 महीने मैं आरोपियों को पकड़ने में विफल रह गई।

कोर्ट ने मांगा एविडेंस: कोर्ट में इस घटना से संबंधित एविडेंस पुलिस से मांगा है। अगली सुनवाई पर केस के इन्वेस्टिगेशन पदाधिकारी को तलब किया गया है। घटना के बाद एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। जिसे पुलिस पुख्ते एविडेंस के तौर पर मानकर चल रही है। कोर्ट के सामने पुलिस की ओर से यह सीसीटीवी फुटेज एविडेंस के तौर पर दिया जा सकता है।

बाढ़ में सोते हुए भाई के पेट में मारा चाकू, पहले से चल रहा था विवाद

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के सिकंदरा गांव में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पहले से चले आ रहे विवाद को लेकर बड़े भाई ने सो रहे छोटे भाई पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना सोमवार सुबह हुई, जहां आरोपी रविंद्र राय ने अपने छोटे भाई मनीष कुमार के पेट पर चाकू से वार किया। हमले के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों ने घायल मनीष कुमार को फौरन अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ ले जाकर भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज जारी है।

पहले से चल रहा था विवाद: घायल मनीष कुमार ने बताया कि, पुराने विवाद को लेकर उसका भाई पहले से नाराज था। सोमवार सुबह वह सो रहा था, तभी रविंद्र राय ने उस पर अचानक चाकू से हमला कर दिया। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, दोनों भाइयों के बीच पिछले एक दिन से विवाद चल रहा था, जो सुबह हिंसा में बदल गया।

पुलिस जांच में जुटी, आरोपी फरार: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। बाढ़ थाना के सब इंस्पेक्टर अमरनाथ सिंह ने बताया कि, उन्हें दो भाइयों के बीच

आरोपी बड़ा भाई फरार, तलाश जारी

मारपीट और चाकूबाजी की सूचना मिली थी। घायल का इलाज करवाया जा रहा है और मामले की जांच जारी है। फिलहाल आरोपी रविंद्र राय फरार है।

इलाके में बढ़ रहीं आपराधिक घटनाएं: इन दिनों बाढ़ क्षेत्र में हाल के दिनों में आपराधिक घटनाएं बढ़ी हैं। हाल ही में राणाबीघा गांव में भी चाकूबाजी की घटना सामने आई थी, जिसके बाद अब सिकंदरा गांव में यह वारदात हुई है। लगातार हो रही घटनाओं से स्थानीय लोगों में डर का माहौल है।

भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक मेट्रो का ट्रायल रन, हरी झंडी मिलने पर 2 नए स्टेशन का सीएम करेंगे उद्घाटन

एजेंसी, पटना

भूतनाथ से मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन तक आज मेट्रो का ट्रायल रन होगा। CMRS (कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी) की टीम आज पटना पहुंची है। दो नए स्टेशनों-खेमनीचक और मलाही पकड़ी का निरीक्षण किया है। फिलहाल अधिकारियों की मीटिंग चल रही है। इसके बाद ट्रायल रन शुरू होगा। आज सुबह से ही पटना मेट्रो आम पब्लिक के लिए बंद है। मंगलवार से पाटलिपुत्रा बस टर्मिनल मेट्रो स्टेशन से फिर से यात्रियों के लिए मेट्रो सेवा बहाल हो जाएगी।

कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी से हरी झंडी मिलने के बाद दौड़ेगी मेट्रो: कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (CMRS) की टीम को मार्च में ही आने वाली थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से वो पटना नहीं पहुंची। CMRS की हरी झंडी मिलने के बाद ही आगे मेट्रो दौड़ेगी। दो नए स्टेशनों का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। इस दौरान टीम मलाही पकड़ी और खेमनीचक स्टेशन के ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, प्लेटफॉर्म सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाएं और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच करेगी। सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों पर खरे उतरने के बाद उद्घाटन की तारीख तय होगी।

भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक हुआ था ट्रायल: मेट्रो का भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक 26 फरवरी को

मेट्रो की टीम द्वारा पहला ट्रायल किया गया था। पटना मेट्रो पहली बार शहर के अंदर दौड़ी थी। भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक 2.75 किमी में मेट्रो का ट्रायल रन किया गया था।

इस दौरान सिग्नलिंग सिस्टम की कपैसिटी, ब्रेकिंग सिस्टम का प्रदर्शन, ट्रैक और ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन सिस्टम, स्टेशन समन्वय और संचार व्यवस्था, आपातकालीन सुरक्षा प्रोटोकॉल, ट्रेन को निर्धारित अधिकतम गति तक चलाकर सभी सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया था।

बिहार में आंधी-बारिश, 3 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार इस समय मौसम के दोहरे मिजाज से जूझ रहा है। एक तरफ दक्षिण बिहार में भीषण गर्मी है, तो दूसरी तरफ सीमांचल में आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली ने तबाही मचाई है। रोहतास का डेहरी 43.2 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म रहा। कैमूर में भी पारा 43 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि 8 जिलों का तापमान 40 डिग्री के पार दर्ज किया गया। भोजपुर में गर्मी की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं, बिहार के अलग-अलग जिलों में आंधी-बारिश और ठनका गिरने से 5 लोगों की जान चली गई। रक्सौल, मधुबनी समेत 10 जिलों में बारिश हुई, जबकि सुपौल, कटिहार और अररिया में दर्जनों घर क्षतिग्रस्त हो गए। मौसम विभाग ने आज भी 3 जिलों में आंधी-बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने की

संभावना है। वहीं, बाकी 25 जिलों में भीषण गर्मी लोगों को परेशान करेगी। इधर, दक्षिण बिहार में भीषण गर्मी को देखते हुए नालंदा और बक्सर में स्कूल और सभी शैक्षणिक संस्थाओं के टाइमिंग में बदलाव किया गया है। गर्मी को सरकार की तरफ से बसों के लिए गाइडलान जारी किया गया है। अब बसों सार्वजनिक बसों में यात्रियों के लिए पीने का पानी, ORS और फर्स्ट ऐड किट रखना अनिवार्य कर दिया है। नालंदा में 1 से 8वीं तक के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र 12.30 बजे तक ही चलेंगे।

सम्राट चौधरी की बुलडोजर कार्रवाई पर चिराग ने दी नसीहत

कहा- किसी गरीब को परेशानी नहीं होनी चाहिए, शराबबंदी कानून में सुधार की मांग की

एजेंसी, पटना

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार में चल रहे बुलडोजर एक्शन और शराबबंदी कानून पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अवैध तरीके से बने मकानों पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन इस दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी गरीब और हकदार परिवार के साथ अन्याय न हो। साथ ही उन्होंने शराबबंदी कानून की मंशा को सही बताते हुए इसके क्रियान्वयन में सुधार की जरूरत पर जोर दिया।

बुलडोजर कार्रवाई पर संतुलित रुख: बिहार सरकार के अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए जा रहे बुलडोजर अभियान पर प्रतिक्रिया देते हुए चिराग पासवान ने कहा कि जो भी मकान या निर्माण अवैध तरीके से सरकारी जमीन पर किए गए हैं, उन पर कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने माना कि राज्य सरकार को अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का अधिकार है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन को

यह ध्यान रखना चाहिए कि किसी ऐसे परिवार का घर न तोड़ा जाए जिसका उस जमीन पर वैध अधिकार हो। उनके मुताबिक कार्रवाई के नाम पर गरीब और जरूरतमंद लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

गरीबों के लिए पहले हो वैकल्पिक व्यवस्था: चिराग पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी हमेशा से यह मांग करती रही है कि यदि किसी गरीब परिवार का घर हटाया जाता है, तो पहले उनके रहने की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिना पुनर्वास की व्यवस्था किए किसी का आशियाना उजाड़ना उचित नहीं है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए बुलडोजर कार्रवाई की जाए, ताकि कानून का पालन भी हो और गरीबों के अधिकारों की रक्षा भी हो सके।

शराबबंदी कानून पर बोलते हुए चिराग पासवान ने कहा कि इस कानून के पीछे सरकार की सोच गलत नहीं है, लेकिन इसके लागू होने के तरीके में कई कमियां हैं, जिन्हें दुरुस्त करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब की घटनाओं ने कई परिवारों को तबाह किया है, जिससे यह साफ है कि कानून का प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी चुनौती बना हुआ है। उन्होंने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों से शराब की तस्करी लगातार हो रही है, जिस पर सरकार को सख्त निगरानी रखनी चाहिए। चिराग पासवान के मुताबिक, शराबबंदी तभी सफल होगी जब कानून पूरी तरह जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू हो और अवैध शराब के नेटवर्क पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

संक्षिप्त समाचार

मुंशी सिंह महाविद्यालय में पंचम सेमेस्टर परीक्षा का दूसरा दिन भी रहा शांतिपूर्ण

बीएनएम@ मोतिहारी। बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुज़फ्फरपुर के निर्देशन में संचालित स्नातक (सीबीसीएस) पंचम सेमेस्टर, सत्र 2023–27 की परीक्षा के दूसरे दिन सोमवार को मुंशी सिंह महाविद्यालय में परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित माहौल में संपन्न हुईं। महाविद्यालय को एस.आर.ए.पी कॉलेज, चकिया, मोतिहारी डिग्री इवनिंग कॉलेज, के.एस.आर.एन. डिग्री कॉलेज, मठिया तथा एस.एन. एस.आर.एन.एस. डिग्री कॉलेज, केसरिया के परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। 27 अप्रैल 2026 को आयोजित परीक्षा में प्रथम पाली के दौरान मेजर ग्रुप-सी के अंतर्गत हिंदी, मनोविज्ञान, भौतिकी, गणित एवं समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा हुई, जिसमें कुल 888 परीक्षार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। वहीं, द्वितीय पाली में मेजर ग्रुप-डी के तहत जूलॉजी, इतिहास एवं संगीत विषयों की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 700 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। परीक्षा पूरी तरह कदाचार मुक्त, अनुशासित और शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। महाविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की थीं। इस संबंध में प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक़ एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद के हवाले से मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने जानकारी दी।

एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य, 115 एजेंसियों के माध्यम से सुचारू वितरण जारी

बीएनएम@ मोतिहारी। जिला प्रशासन ने सोमवार, 26 अप्रैल 2026 की अद्यतन स्थिति में स्पष्ट किया है कि जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था पूरी तरह सामान्य तथा सुचारू रूप से संचालित हो रही है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) तथा भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) जैसी प्रमुख तेल विपणन कंपनियों के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जिले में कुल 115 गैस एजेंसियां सक्रिय रूप से कार्यरत हैं, जो उपभोक्ताओं तक निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित कर रही हैं। 01 अप्रैल से लेकर 26 अप्रैल तक कुल 4,74,472 सिलेंडरों की बुकिंग हुई है जिसमें कुल 3,59,189 सिलेंडर की वितरण की जा चुकी है। प्रशासन के अनुसार बुकिंग के अनुरूप वितरण प्रक्रिया लगातार तेज गति से जारी है। वहीं सोमवार 26 अप्रैल को 16,316 सिलेंडरों की बुकिंग हुई, जिसमें 18,086 सिलेंडरों की वितरण की गई। इधर कंपनियों से प्राप्त सिलेंडरः 16,203 है जिसमें वर्तमान स्टॉकः 36,252 सिलेंडर तथा 89,389 सिलेंडरों की लंबित मांग है। जिले की सभी 115 गैस एजेंसियों द्वारा होम डिलीवरी के माध्यम से उपभोक्ताओं तक गैस की आपूर्ति की जा रही है, जिससे वितरण व्यवस्था अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनी हुई है। वहीं, 3 एजेंसियों द्वारा होम डिलीवरी नहीं किए जाने की शिकायत पर जिला प्रशासन ने उनसे स्पष्टीकरण मांगा है। जिला प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे केवल आवश्यकता अनुसार ही गैस की बुकिंग करें तथा घरेलू उपयोग के लिए ही एलपीजी का प्रयोग करें। साथ ही किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या जमाखोरी की सूचना तत्काल जिला नियंत्रण कक्ष को 06252-242418 पर दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पशु बाँझपन निवारण शिविर का आयोजन, पशुपालकों को किया गया जागरूक

बीएनएम@ मोतिहारी। डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार पटना द्वारा आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय-02 के अंतर्गत बेहतर पशु स्वास्थ्य प्रबंधन को लेकर नगर निगम क्षेत्र मोतिहारी में पशु बाँझपन निवारण शिविर का आयोजन सोमवार को किया गया। राजकीय पशु चिकित्सालय, मोतिहारी के सौजन्य से आयोजित इस शिविर का उद्घाटन डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव, डॉ. विजय समीर भंवर एवं डॉ. ब्रज किशोर शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर के दौरान डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव ने पशुपालकों को संबोधित करते हुए कहा कि पशु बाँझपन से बचाव के लिए जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि मदचक्र की जानकारी का अभाव, कुपोषण, संक्रमण, जन्मजात दोष, प्रबंधन संबंधी त्रुटियां तथा हार्मोन असंतुलन जैसे कारणों से पशुओं में बाँझपन की समस्या उत्पन्न होती है। इन समस्याओं के समाधान से ही पशुपालन को लाभकारी बनाया जा सकता है और पशु उत्पादकता में वृद्धि संभव है। इस अवसर पर पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक दवाओं का वितरण भी किया गया। शिविर के सफल संचालन में डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव, डॉ. विजय समीर भंवर, डॉ. ब्रज किशोर शर्मा एवं पशुधन सहायक राज कुमार गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पशुपालक, ग्रामीण, क्षेत्रीय प्रतिनिधि एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

सोशल मीडिया पर वायरल हर्ष फायरिंग वीडियो पर कार्रवाई, युवक गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। मोतिहारी पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हर्ष फायरिंग के वीडियो को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है। इस मामले में एक युवक को देशी पिस्टल और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 26 अप्रैल को सोशल मीडिया पर एक युवक का हर्ष फायरिंग करते हुए वीडियो सामने आया था। सत्यापन के दौरान यह मामला मधुबन थाना क्षेत्र के ग्राम विशुनपुर तारा का पाया गया। वीडियो में फायरिंग कर रहा युवक धीरज कुमार बताया गया। मामले की जानकारी मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पकड़ीदयाल चंदन कुमार के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम में थानाध्यक्ष मधुबन प्रवीण कुमार पाण्डेय, पुअनि नीति शर्मा, पुअनि अनिल कुमार, सिपाही अवधेश कुमार तथा गृह रक्षक विकास कुमार शामिल थे। छापेमारी के दौरान धीरज कुमार, पिता लालबाबू साह, निवासी विशुनपुर तारा, थाना मधुबन, जिला पूर्वी चंपारण को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके पास से एक देशी पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और एक मिस फायर कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि इस तरह के गैरकानूनी कृत्यों से दूर रहें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल व अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर की छापेमारी

बीएनएम@ बीएनएम/बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और अवैध रूप से संचालित संस्थानों पर कार्रवाई के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग ने विशेष जांच अभियान चलाया। सिविल सर्जन के निर्देश पर विभिन्न क्षेत्रों में अस्पतालों, अल्ट्रासाउंड केंद्रों और नर्सिंग होम का औचक निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान कुल दो अस्पतालों की जांच की गई, लेकिन दोनों ही निरीक्षण के समय बंद पाए गए। इस पर विभाग ने संबंधित संस्थानों के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी क्रम में तीन अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर भी छापेमारी की गई, जिनमें से एक केंद्र बंद मिला, जबकि अन्य दो केंद्रों के कागजात सही पाए गए। जांच के बाद उन्हें संचालन की अनुमति दे दी गई। इसके अलावा एक नर्सिंग होम की भी जांच की गई। निरीक्षण के दौरान संबंधित संस्थान से वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कागजातों की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि अवैध रूप से चल रहे संस्थानों पर अंकुश लगाया जा सके और आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

घोड़ासहनः 'सेहत सेवा' या 'सेटिंग सेवा'?

सागर सूरज
एडिटिंर इन चीफ

> "नेपाल सीमा के घोड़ासहन में 'सेहत सेवा' के नाम पर सेटिंग का खेलः गली-गली खुले अवैध क्लिनिक, बिना डॉक्टर सर्जरी, छापेमारी के बाद भी धड़ल्ले से चल रही 'मौत की दुकानें'"

पूर्वी चम्पारण के घोड़ासहन (नेपाल सीमा) में इन दिनों स्वास्थ्य व्यवस्था किसी व्यंग्य से कम नहीं लगती। यहाँ "क्लिनिक" अब इलाज से ज्यादा हिम्मत का इम्तिहान बन चुके हैं। गलियों में ऐसे-ऐसे 'हॉस्पिटल' खुल गए हैं जहाँ बोर्ड भले चमकता हो, पर अंदर व्यवस्था भगवान भरोसे चलती है। लगता है मानो प्रशासन ने जनसंख्या नियंत्रण का ठेका अनजाने में इन्हीं केंद्रों को दे दिया हो।

मिशन हाउस से बिरता चौक तक की सड़क पर चलते जाइए। हर कुछ कदम पर एक नया "स्पेशलिस्ट" मिल जाएगा। बिरता चौक से मिडिल स्कूल रोड की ओर बढ़ते ही छोटे-छोटे कमरों में "ऑपरेशन थिएटर" का जादू दिखाई देता है। और अगर रात के समय बिजवनी रोड पर निकलिए, तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे अंधेरे में चिकित्सा का कोई गुप्त अध्याय लिखा जा रहा हो।

यहाँ सर्जरी भी कमाल की होती है। कभी कंपाउंडर सर्जन बन जाता है, तो कभी "ऑन कॉल" डॉक्टर फोन से ही मार्गदर्शन दे देता है। एनेस्थेटिस्ट? वो तो शायद गूगल पर उपलब्ध होगा। ICU और वेंटिलेटर जैसी सुविधाएँ यहाँ कल्पना की दुनिया में रहती हैं। मरीज की हालत बिगड़ी तो "रेफर" नामक जादुई शब्द से मामला खत्म। आगे का सफर मरीज और उसके भाग्य पर छोड़ दिया जाता है।

कमीशन का खेल भी किसी संगठित उद्योग से कम नहीं। गाँव-देहात से मरीजों को यहाँ तक लाने के लिए दलालों का नेटवर्क सक्रिय है। स्वास्थ्य सेवा कम, सेटिंग सेवा ज्यादा चल रही है। हर मरीज एक "डील" है और हर ऑपरेशन एक "टारगेट"।

छापेमारी भी होती है—कागजों पर। अधिकारी आते हैं, फोटो खिंचती है, कुछ दिन सन्नाटा रहता है, फिर वही क्लिनिक नए नाम और नए बोर्ड के साथ वापस। जैसे कोई सीरियल का नया सीजन शुरू हो गया हो। स्थानीय लोग कहते हैं "यहाँ इलाज से ज्यादा जुगाड़ का इलाज चलता है।"

सवाल वही है, क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? या फिर यह सब देखकर भी अनदेखा करना ही नीति बन चुकी है?

घोड़ासहन की यह 'स्वास्थ्य गाथा' हँसाते-हँसाते डराती भी है। क्योंकि यहाँ बीमारी से ज्यादा खतरनाक इलाज है। अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठे, तो यह व्यंग्य एक दिन कड़वी सच्चाई बन जाएगा, जहाँ अस्पताल नहीं, 'मौत की दुकानें' ही असली पहचान होंगी।

मातृत्व योजनाओं की जानकारी से सशक्त होंगे परिवार

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला के पिपराकोठी प्रखंड स्थित झखरा बलुआ मुसहरी टोला वार्ड संख्या- 13 के समुदाय भवन में धात्री एवं गर्भवती महिलाओं के अभिभावकों, पति एवं सास-ससुर के लिए एक दिवसीय क्षमतावर्धन कार्यशाला सोमवार को आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय "मातृत्व योजनाएं एवं उनके फायदे" रहा। आयोजन क्राई (चाइल्ड राइट एंड यू) के सहयोग से काड्र्स संस्था द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान पिरामल फाउंडेशन के राणा फिरदौस ने एम्बुलेंस सेवा 102, जननी सुरक्षा योजना, मातृ वंदना योजना एवं परिवार नियोजन सहित विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य माताओं और शिशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है तथा समय पर लाभ लेने से सुरक्षित प्रसव संभव हो पाता है। वहीं आंगनबाड़ी सेविका उर्मिला देवी ने केंद्र द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की जानकारी देते हुए लाभार्थियों से आधार को मोबाइल नंबर से लिंक कराने की अपील की, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। काड्र्स संस्था की नीमा रानी सिकदार ने गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की देखभाल, प्रसव पूर्व जांच, संतुलित पोषण एवं प्रसवोत्तर देखभाल पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन करते हुए शशि ने कहा कि सरकार द्वारा मातृ स्वास्थ्य के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित हैं, जिनकी जानकारी और समय पर पंजीकरण से महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ आर्थिक सहायता भी मिलती है। अंत में नीतू देवी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर संस्था के समन्वयक रवि कुमार, पप्पू कुमार, लालू पासवान, इंदु देवी, जानकी देवी, मीणा देवी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ बुलंद हुई आवाज, सादगीपूर्ण निकाह पर जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला के मेहसी प्रखंड के पूर्वी बथना गांव में रविवार सुबह एक भव्य सुधारात्मक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें समाज में व्याप्त कुरीतियों विशेषकर दहेज प्रथा, शादी-ब्याह में फिजूलखर्ची और अन्य बुराइयों के खिलाफ जनजागरण का सशक्त संदेश दिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता प्रख्यात धार्मिक विद्वान हज़रत अल्लामा मौलाना जिया-उल-मुजतबा कामिल हुसैनी (सज्जादा नशीन, हुसैनी शरीफ) ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में धार्मिक आयोजनों की पवित्रता से समझौता किया जा रहा है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जहां कुरआन और हदीस की शिक्षाओं का प्रचार होना चाहिए, वहीं कुछ स्थानों पर कार्यक्रमों के बाद अशोभनीय गतिविधियां देखने को मिल रही हैं, जो अत्यंत खेदजनक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि विवाह समारोह सादगीपूर्ण ढंग से और इस्लामी परंपराओं के अनुरूप संपन्न किए जाएं। पिर-ए-तरीकत हज़रत सूफी ज़ाहिर हुसैन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उलेमा और सूफिया का मूल उद्देश्य समाज को गुनाहों से दूर कर अल्लाह की राह पर चलाना है। उन्होंने लोगों को बुजुर्गों की शिक्षाओं का पालन करने तथा हलाल और हराम के बीच स्पष्ट अंतर समझने की नसीहत दी। वहीं मोहम्मद कुतुबुद्दीन रिज़वी ने कहा कि क्षणिक सुख के लिए गुनाह करना जीवन के लिए घातक है। उन्होंने लोगों से तौबा कर अपनी जिंदगी को शरीयत के अनुरूप ढालने का आह्वान किया। यह बैठक तंजीम-ए-उलेमा अहले सुन्नत व जमात, मेहसी शरीफ के बैनर तले आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में उलेमा और गणमान्य लोग शामिल हुए। प्रमुख उपस्थित लोगों में मौलाना कौसर अली रिज़वी, मौलाना सिद्दीक, मौलाना मुशाहिद रिज़वी, मौलाना जावेद, मौलाना मकसूद नादिर फैजी, हाफिज तौफीक रज़ा, मौलाना अबूज़र, मौलाना गुलाम रब्बानी, मौलाना मजहर कादरी, कारी गुलाम हैदर रिज़वी, मौलाना अब्दुल कय्यूम और मौलाना महबूब आलम सहित अन्य शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक दुआ के साथ यह संकल्प लिया गया कि समाज से कुरीतियों के उन्मूलन और धार्मिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयास जारी रखे जाएंगे।

कागजों में चमक, जमीनी हकीकत बदहाल: चिरैया के आंगनबाड़ी केंद्रों में अनियमितता उजागर

बीएनएम@ श्रीनिवास कुमार

मोतिहारी। बिहार सरकार जहां आंगनबाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण और सुधार के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं चिरैया प्रखंड क्षेत्र में जमीनी हकीकत इन दावों से बिल्कुल उलट नजर आ रही है। यहां कई आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति बेहद चिंताजनक पाई गई है, जहां योजनाएं कागजों तक ही सीमित रह गई हैं। सोमवार को ग्रामीणों की शिकायत पर की गई जांच में हरनरैना पंचायत के मसहां गांव स्थित वार्ड संख्या 08 के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 302 पर सुबह 8:22 बजे पहुंचने पर केंद्र पूरी तरह बंद मिला। मौके पर न तो बच्चे मौजूद थे और न ही सेविका या सहायिका की कोई उपस्थिति दिखी। केंद्र की हालत से यह साफ प्रतीत हो रहा था कि वहां नियमित संचालन नहीं हो रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि केंद्र का संचालन भगवान भरोसे चल रहा है। सेविका कभी-कभार ही आती है और बच्चों को मिलने वाला पोषाहार (टीएचआर) भी नियमित रूप से वितरित नहीं किया जाता। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि फर्जी उपस्थिति दर्ज कर पोषाहार की राशि का गबन किया जा रहा है। गौरतलब है कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा, पोषणयुक्त आहार और गर्भवती महिलाओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। इसके बावजूद लाभार्थियों तक इन योजनाओं का लाभ नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई केंद्रों में अक्सर ताला लटका रहता है, जबकि कागजों में नियमित संचालन दिखाकर योजनाओं के पूर्ण क्रियान्वयन का दावा किया जाता है। इससे पूरे मामले पर सवाल खड़े हो रहे हैं और उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में जब एलएस रागनी कुमारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि बच्चों के भविष्य के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को रोका जा सके।

फुलकौल चौराहे पर दिनदहाड़े गोलीकांड, पुट्टू मिश्रा की मौत

बीएनएम@ विनय कुमार

बगहा/बेतिया। रामनगर थाना क्षेत्र के फुलकौल चौराहे पर अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने पुट्टू मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जाता है कि पुट्टू मिश्रा चौराहे पर चाय पी रहे थे, तभी बाइक सवार बदमाशों ने उनके सिर में गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। आसपास के लोगों ने गंभीर हालत में उन्हें तुरंत सरकारी अस्पताल रामनगर पहुंचाया, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. डी.एस. आर्या ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष दीपक कुमार, अंचल पुलिस निरीक्षक अभय कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रागिनी कुमारी के निर्देश पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर आसानी से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि करीब दो दशक पहले पुट्टू मिश्रा का नाम अपराध जगत में चर्चित रहा है, जिसके कारण पुरानी दुश्मनी में हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अब तक परिजनों की ओर से कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला नामजद है या अज्ञात के खिलाफ।

मोतिहारी पुलिस का बड़ा खुलासाः चोरी की 3 बाइक के साथ 4 आरोपी गिरफ्तार, गिरोह का भंडाफोड़

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान चोरी की 3 मोटरसाइकिल बरामद की है और इस मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार बताया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 26 अप्रैल 2026 को फेनहारा थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान हाई स्कूल चौक के पास एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखकर युवक भागने लगा, लेकिन पुलिस बल की तत्परता से उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसकी पहचान प्रिंस कुमार के रूप में हुई। पकड़ी गई मोटरसाइकिल की जांच HHD मशीन और चेसिस नंबर के माध्यम से की गई, जिसमें वाहन चोरी का पाया गया। यह मामला पहले से ही मुजफ्फरपुर जिले के कांति थाना में दर्ज था। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपने अन्य साथियों के नाम उजागर किए। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुमित कुमार, शिवम कुमार और राकेश कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान अलग-अलग स्थानों से चोरी की अन्य मोटरसाइकिल भी बरामद की गईं। हालांकि, इस गिरोह का एक सदस्य संतोष कुमार अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। इस पूरी कार्रवाई में कुल 3 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस सफल अभियान का नेतृत्व पकड़ीदयाल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार चंदन ने किया। उनके साथ फेनहारा थानाध्यक्ष रजनीश कुमार, अभिषेक कुमार, वीर राज समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में सक्रिय वाहन चोर गिरोहों के खिलाफ बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जिससे अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

समाहरणालय में जनसुनवाई, 30 मामलों की हुई सुनवाई

बीएनएम@ बीएनएम/बेतिया

जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कुल 30 मामलों की सुनवाई की गई। भूमि विवाद से लेकर पेंशन तक की शिकायतें जनसुनवाई में भूमि विवाद, राजस्व से जुड़े मुद्दे, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण व मरम्मत तथा राशन कार्ड से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। कई मामलों का मौके पर ही समाधान कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी के हस्तक्षेप से कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कर दिया गया, जिससे फरियादियों को तत्काल राहत मिली। आवेदकों ने रखीं अपनी समस्याएं जनसुनवाई में शाहिम मियां, कलावती देवी, मीना देवी, नितेश कुमार मिश्र, तबरेज आलम, जहांगीर अंसारी, मंजू देवी सहित अन्य आवेदकों ने अपनी-अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं। 'सबका सम्मान-जीवन आसान' अभियान के तहत आयोजन यह कार्यक्रम सात निश्चय-3 के तहत चलाए जा रहे 'सबका सम्मान-जीवन आसान' अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। अधिकारी रहे मौजूद जनसुनवाई के दौरान उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन, अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता अहमद अली, नगमा तबस्सुम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

तुरकौलिया में कुर्की-जब्ती की कार्रवाई, दो वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम@ तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना पुलिस ने सपही गांव में फरार अभियुक्त के खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। यह कार्रवाई मारपीट के मामले में आरोपित विनोद सिंह के घर पर की गई, जो लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा था। पुलिस के अनुसार, विनोद सिंह के खिलाफ कोर्ट से वारंट जारी किया गया था। इसके बाद उसके घर पर इस्तेहार भी चिपकाया गया, लेकिन इसके बावजूद वह हाजिर नहीं हुआ। न्यायालय के आदेश पर कुर्की-जब्ती का वारंट निर्गत होने के बाद पुलिस ने उसके घर पहुंचकर कार्रवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इधर, रघुनाथपुर भलुआ निवासी लालबाबू सहनी और लक्ष्मीपुर गदरिया निवासी अशोक यादव को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों कुर्की वारंटी थे और लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

तुरकौलिया में शराब पार्टी पर पुलिस की कार्रवाई, आठ गिरफ्तार

बीएनएम@ तुरकौलिया। पुलिस ने बसवरिया टोला और तुरकौलिया बाजार के समीप शराब पार्टी कर शोर-शराबा कर रहे आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में शंकर सरैया परसौना निवासी अशरफ अंसारी, चारगाहा कचहरिया टोला के मासूम आलम, ब्रह्मटोला के केदार साह, बसवरिया टोला के अनिल पासवान व गुडन साह, कटहरिया टोला के इकबाल साह व आशानंद साह तथा अशर्फी साह टोला के सतेंद्र साह शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों स्थानों पर कुछ लोग शराब पीकर हंगामा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तो सभी आरोपी भागने लगे। हालांकि पुलिस ने खदेड़कर सभी को पकड़ लिया। पकड़े गए सभी लोगों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि हुई। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हरसिद्धि में पुलिस का विशेष अभियान, शराब मामले व वारंटियों सहित कई गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर शराब बेचने-पीने और लंबित मामलों में वांछित अभियुक्तों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान थाना कांड संख्या 227/26 में नामजद अभियुक्त राजेश पासवान (पिता– भूलन पासवान) और अरुण कुमार यादव, दोनों निवासी यादवपुर, को अवैध शराब बिक्री व सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इसी क्रम में थाना कांड संख्या 78/26 के वांछित अभियुक्त चंदन साह (पिता– रामचंद्र साह), निवासी ओलाहा मिश्र टोला, वार्ड संख्या 03, थाना हरसिद्धि, को भी पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर सुनील साह, अनिल साह (दोनों पिता– भुकारी साह), सुनीता देवी (पति– सुनील साह) तथा ललन मिश्र (पिता– स्व. विश्वनाथ मिश्र) को भी गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सभी गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया है।

जदयू की मजबूती को लेकर मेजरगंज में मंथन

बीएनएम@ सीतामढ़ी: सीतामढ़ी के मेजरगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रमुख कार्यालय सभागार में पूर्व प्रत्याशी अभिषेक झा के नेतृत्व में भव्य मिलन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह ने की। इस दौरान अभिषेक झा ने विकास और संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान और जनता से संवाद ही लोकतंत्र की प्राथमिकता है। मौके पर जदयू जिलाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह कुशवाहा, चंदन प्रताप सिंह और इमरान आलम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने क्षेत्र की प्रगति का संकल्प लिया।

जनसुनवाई में डीएम ने एक-एक कर सुनीं सबकी फरियाद

बीएनएम@ बेतिया: समाहरणालय में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया गया। 'सात निश्चय-3' के तहत 'सबका सम्मान-जीवन आसान' अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 30 मामलों की सुनवाई हुई।इसमें मुख्य रूप से भूमि विवाद, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना और बिजली-पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें शामिल रहीं। जिलाधिकारी ने शाहिम मियां, कलावती देवी और नितेश कुमार मिश्र समेत अन्य आवेदकों की बातों को गंभीरता से सुना और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर लोगों को बड़ी राहत दी। शेष आवेदनों के समयबद्ध निपटारे हेतु उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए, ताकि आम जनता को प्रशासनिक कार्यों के लिए अनावश्यक भटकना न पड़े।जनसुनवाई के दौरान उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन, अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता, अहमद अली, नगमा तबस्सुम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बुनियादी सुविधाओं को लेकर सौंपा मांग पत्र

बीएनएम@ बैरिया: बैरिया प्रखंड के मलाही बलुआ पंचायत निवासी जदयू सदस्य योगेंद्र चौधरी उर्फ अनिल चौधरी ने जदयू विधायक दल के नेता व पूर्व मंत्री श्रवण कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं में सुधार का आग्रह किया।वहीं, 'जागो बहन जागो' के संस्थापक संजय कुमार निशांत ने श्रवण कुमार को विधायक दल का नेता चुने जाने पर गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी। मुलाकात के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष रविभूषण पटेल और चंडी चौधरी भी मौजूद रहे। श्रवण कुमार ने क्षेत्र के विकास के लिए सकारात्मक पहल और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

संकट में हैं किसान और जमीन मालिक : विजय कुमार मिट्ठू

गया में जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक से आक्रोश

बीएनएम@ गयाजी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू ने बिहार सरकार की 'ग्रीन फील्ड सैटेलाइट टाउनशिप' योजना को धरातल से दूर और किसानों को संकट में डालने वाली "कागजी घोषणा" करार दिया है। उन्होंने कहा कि आवास बोर्ड अपनी मौजूदा जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराने और पुराने फ्लैटों को विकसित करने में विफल रहा है, ऐसे में नई टाउनशिप का सपना दिखाना केवल दिखावा है। मिट्ठू ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि गया जिले के बोधगया, चंदौती और परैया प्रखंड के 62 गांवों व शहर के दो वार्डों में जमीन की खरीद-बिक्री पर रोक से गरीब परिवारों को बेटी की शादी और बीमारी के इलाज जैसे कार्यों में भारी कठिनाई होगी।कांग्रेस नेता ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर तंज कसते हुए कहा कि करीब 3 लाख करोड़ के कर्ज में डूबी सरकार 12 हजार करोड़ के अतिरिक्त ऋण के लिए रिजर्व बैंक के पास है, ऐसे में संसाधनों के अभाव में यह योजना भी असफल साबित होगी। उन्होंने सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के चयन को किसानों को परेशान करने की रणनीति बताया। इस मौके पर विजय कुमार मिट्ठू के साथ पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, इंटक जिला महासचिव टिंकू गिरी, दामोदर गोस्वामी, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, मुन्ना मांझी और सुजीत गुप्ता आदि उपस्थित थे।

सम्मान आह्वान अभियान का भव्य आयोजन, गौ संरक्षण को लेकर उठी मांग

बीएनएम@ बेतिया

बेतिया स्थित श्री पिंजरा पोल गौशाला में "गौ सम्मान आह्वान अभियान" का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों, गौभक्तों और गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के समर्थन में लोगों ने अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम का आयोजन पिंजरा पोल गौशाला परिवार के संयोजन में किया गया। उपाध्यक्ष संजय झुनझुनवाला की अनुपस्थिति में उनके मार्गदर्शन में सह-संयोजक के रूप में उनके पुत्र निकेत झुनझुनवाला ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर गौशाला के सचिव सुरेश सिंघानिया एवं विहिप-बजरंग दल के जिला मंत्री रमण गुप्ता की विशेष उपस्थिति रही। वक्ताओं ने समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कथावाचक पूज्य राजन जी महाराज ने भी शिरकत की। उन्होंने मोहिनी एकादशी और गौ माता की महिमा का वर्णन करते हुए धर्म, सेवा और संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, अभियान के जिला प्रभारी धनंजय शर्मा ने इस राष्ट्रव्यापी अभियान की पृष्ठभूमि और उद्देश्यों की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से इससे जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम के बाद गौभक्तों के एक शिष्टमंडल ने अनुमंडल पदाधिकारी से मुलाकात कर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पूरे देश में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने, गौ संरक्षण को मजबूत करने तथा इस दिशा में कड़ा कानून बनाने की मांग की गई। इस आयोजन में डॉ. मदन बनीक, दीपक वर्मा (जिलाध्यक्ष, विहिप), नीरज कुमार (विभाग मंत्री), दीपु शर्मा (सह संयोजक), विजय आर्या (नगर अध्यक्ष, विहिप) एवं राज प्रियांश (नगर उपाध्यक्ष, विहिप) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में बजरंग दल, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी महिला समिति समेत अनेक सामाजिक संगठनों का सहयोग रहा। अंत में आयोजकों ने सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए गौ संरक्षण के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

केस डायरी व आर्म्स रिपोर्ट के नाम पर रिश्वत लेते दारोगा को निगरानी ने दबोचा

बीएनएम@ पटना

भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार को बड़ी सफलता मिली है। राजगीर थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक देवकांत कुमार को 90 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। निगरानी ब्यूरो के अनुसार, 25 अप्रैल 2026 को निगरानी थाना कांड संख्या-047/26 के तहत यह कार्रवाई की गई। आरोपी को राजगीर-गिरियक रोड स्थित होटल कौशलेन्द्र पैलेस के पास रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। मामले में नालंदा मोड़ निवासी परिवादी रवि शंकर ने पटना स्थित निगरानी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि राजगीर थाना कांड संख्या-220/26 में केस डायरी और आर्म्स रिपोर्ट न्यायालय भेजने के एवज में 90 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। शिकायत के सत्यापन में आरोप सही पाए जाने के बाद पुलिस उपाधीक्षक श्रीराम चौधरी के नेतृत्व में धावादल का गठन किया गया। टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार दारोगा से पूछताछ जारी है। उसे आगे की कार्रवाई के लिए विशेष निगरानी न्यायालय, पटना में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

रक्सौल में अवैध मनी एक्सचेंज पर बड़ी कार्रवाई, भारी कैश बरामद

बीएनएम@ रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा से सटे रक्सौल में पुलिस ने अवैध मनी एक्सचेंज (सटही काउंटर) के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में भारतीय और नेपाली करेंसी बरामद की है। इस दौरान एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। गुप्त सूचना के आधार पर प्रशिक्षु आईपीएस सह थानाध्यक्ष हेमंत सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रेलवे गुमटी के समीप स्थित एक दुकान में छापेमारी की। छापे के दौरान दुकान के अलग-अलग कोनों और झोलों में छिपाकर रखे गए नोटों की गड्डियां बरामद की गईं, जिन्हें पुलिस ने तत्काल जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान एसआई जीतेंद्र कुमार, कृष्ण मुरारी और कुशलेश पाण्डेय सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे। जांच के दौरान सफेद झोले और धारीदार बैग से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने से मौके पर मौजूद अधिकारी भी हैरान रह गए। प्रशिक्षु आईपीएस हेमंत सिंह ने बताया कि यह अवैध मनी एक्सचेंज का संगठित नेटवर्क है, जो भारत-नेपाल के बीच होने वाले मुद्रा विनिमय में कमीशन के आधार पर सक्रिय था। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा ऐसे सटही काउंटरों पर कार्रवाई की जा चुकी है। फिलहाल हिरासत में लिए गए आरोपी संजय कुमार से पूछताछ जारी है। बरामद रकम की गिनती की जा रही है और मामले में आयकर विभाग की भी मदद ली जाएगी। पुलिस इस नेटवर्क के अन्य जुड़े लोगों की पहचान में जुट गई है, जिससे आने वाले दिनों में और बड़ी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

एनडीए सरकार ने बिहार की महिलाओं के साथ विश्वासघात किया: तेजस्वी यादव

बीएनएम@ पटना

राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार की एनडीए सरकार पर महिलाओं के साथ विश्वासघात करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने झूठे वादों के जरिए करोड़ों महिलाओं की भावनाओं का दोहन किया और दिनदहाड़े धोखेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान हार की आशंका से घबराकर एनडीए सरकार ने मतदान के दिन तक बैंक खुलवाकर महिलाओं और जीविका समूह से जुड़ी महिलाओं के खातों में 10 हजार रुपये भेजे, ताकि मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके। साथ ही, कथित रूप से उन्हें यह कहा गया कि मतदान केंद्रों पर कैमरे लगे हैं और यदि वे निर्धारित पार्टी के पक्ष में मतदान नहीं करेंगी तो उनके खाते में भेजी गई राशि वापस ले ली जाएगी। इसके साथ ही चुनाव के बाद दो लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता देने का भी प्रलोभन दिया गया। तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव बीतने के छह महीने बाद भी सरकार अपने वादों को पूरा नहीं कर पाई है। उनके अनुसार, इस योजना के तहत पूर्व से पंजीकृत 18 लाख महिलाओं को पहली किश्त तक नहीं मिली, जबकि 1 करोड़ 81 लाख जीविका दीदियों और अन्य महिलाओं को दूसरी किश्त का भुगतान नहीं किया गया, जबकि चुनाव के समय दो लाख रुपये देने का वादा किया गया था। उन्होंने राज्य की आर्थिक स्थिति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि चुनावी लाभ के लिए बड़े पैमाने पर राशि खर्च करने के वादे किए गए, जिससे बिहार का खजाना खाली हो गया है और वित्तीय स्थिति बदतर हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को जोखिम में डाल दिया गया है और राज्य में अराजक स्थिति उत्पन्न हो रही है। अंत में उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद चुनाव के दौरान भारी-भरकम वादे करना राज्यहित के खिलाफ है। उन्होंने एनडीए सरकार पर आरोप लगाया कि सत्ता में बने रहने के लिए उसने बिहार की मातृशक्ति, युवाओं और आम जनता के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

सम्राट चौधरी भाजपा के नहीं, एनडीए के मुख्यमंत्री हैं: विजय सिन्हा

» विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए ने पेश की एकजुटता की ढाल, बयानों से बिछी बिसात
» तेजस्वी के तंज पर 'सिन्हा' का पलटवार,एनडीए की मजबूती और नेतृत्व पर लगाई मुहर

बीएनएम@ पटना

बिहार की सियासत में इन दिनों बयानों के जरिए रणनीतिक बिसात बिछाई जा रही है। इसी कड़ी में बेगूसराय में दानवीर भामाशाह की जयंती के अवसर पर विजय कुमार सिन्हा का यह बयान—"सम्राट चौधरी सिर्फ भाजपा के नहीं, बल्कि एनडीए के मुख्यमंत्री हैं"—महज एक टिप्पणी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।इस बयान के जरिए विजय सिन्हा ने एक साथ कई संदेश देने की कोशिश की है। सबसे पहले, उन्होंने गठबंधन के भीतर 'अपनत्व' और 'साझा भागीदारी' का अहसास कराया है, ताकि सहयोगियों के बीच किसी भी प्रकार की असुरक्षा न रहे। दूसरा, यह तेजस्वी यादव के उन तंजों का करारा जवाब है जिसमें वे सरकार को केवल 'भाजपा की सरकार' बताकर घेरने की कोशिश करते रहे हैं। सिन्हा ने स्पष्ट किया कि नेतृत्व भले ही भाजपा का हो, लेकिन सरकार का चरित्र गठबंधन धर्म से प्रेरित है।राजनीतिक विशेषज्ञों की मानें तो यह बयान 'इमेज बिल्डिंग' और 'डैमेज कंट्रोल' का मिश्रण है। हाल के दिनों में जब विपक्ष ने मुख्यमंत्री की राजनीतिक पृष्ठभूमि पर सवाल उठाए, तब विजय सिन्हा ने सामने आकर एनडीए की एकजुटता की ढाल पेश की। उन्होंने यह भी साफ किया कि एनडीए सरकार सुशासन और भ्रष्टाचार मुक्त बिहार के लिए प्रतिबद्ध है, चाहे वो प्रशासनिक सख्ती हो या नीतिगत फैसले।इसके अलावा, बेगूसराय जैसे महत्वपूर्ण राजनीतिक केंद्र से बंगाल चुनाव और राष्ट्रीय मुद्दों का जिक्र करना यह दर्शाता है कि बिहार भाजपा का नेतृत्व अब राज्य की सीमाओं से परे राष्ट्रीय विमर्श में भी सक्रिय है। जातीय और सामाजिक समीकरणों के लिहाज से भी यह बयान अहम है, क्योंकि यह संदेश देता है कि एनडीए का हर सामाजिक आधार इस सरकार में खुद को प्रतिबिंबित देख सकता है। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, विजय सिन्हा का यह बयान एनडीए के भीतर संतुलन बनाने और विपक्ष के नैरेटिव को ध्वस्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। स्पष्ट है कि बिहार की राजनीति अब केवल प्रतिक्रियाओं पर नहीं, बल्कि गहरे संकेतों और दीर्घकालिक रणनीति पर चल रही है।

गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने की उठी मांग

बीएनएम@ बेतिया

बेतिया के श्री पिंजरा पोल गौशाला में आयोजित "गौ सम्मान आह्वान अभियान" ने समाज को गौ संरक्षण के प्रति जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। इस भव्य कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों और गौभक्तों ने हिस्सा लेकर गौ माता के प्रति अपनी अटूट आस्था प्रकट की। उपाध्यक्ष संजय झुनझुनवाला के मार्गदर्शन और सह-संयोजक निकेत झुनझुनवाला की सक्रिय भूमिका में कार्यक्रम का सफल संचालन हुआ।विशिष्ट वक्ताओं, जिनमें सचिव सुरेश सिंघानिया और विहिप-बजरंग दल के जिला मंत्री रमण गुप्ता शामिल थे, ने गौ संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास पर बल दिया। कथावाचक राजन जी महाराज ने मोहिनी एकादशी के महत्व और गौ माता की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। कार्यक्रम के उपरांत, जिला प्रभारी धनंजय शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम अनुमंडल पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने और सख्त कानून बनाने की पुरजोर मांग की गई। कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन और महिला समिति सहित कई संगठनों ने एकजुट होकर सहयोग प्रदान किया।

वज्रपात की अलग-अलग घटनाओं में तीन की मौत, गांवों में मचा कोहराम

» मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख सहायता का एलान

बीएनएम@ कटिहार

बिहार के कटिहार जिले में प्रकृति के कहर ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। अचानक बदले मौसम के बीच हुई तेज आंधी और बारिश के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों में वज्रपात (ठनका) होने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान 65 वर्षीय मो. अब्बास, 27 वर्षीय मंगलेश कुमार और 45 वर्षीय अकमल हुसैन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मो. अब्बास मवेशियों को घर लाने के दौरान बिजली की चपेट में आए, जबकि अकमल हुसैन खेत में मक्के की कटाई कर रहे थे। वहीं, खुड़ना गांव के मंगलेश कुमार की मौत तूफान के दौरान हुई, जिससे उनके चार छोटे बच्चों और पत्नी के सिर से पिता का साया उठ गया है।इस हृदयविदारक घटना पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए आपदा प्रबंधन विभाग को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि प्रत्येक मृतक के परिवार को अविलंब 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की जाए। जिला प्रशासन ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और लोगों से खराब मौसम में पेड़ों के नीचे न रुकने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। फिलहाल, इन घटनाओं के बाद संबंधित गांवों में मातम पसरा हुआ है।

घर–घर पहुँचाएं मोदी सरकार की उपलब्धियां: डॉ प्रेम कुमार

» पश्चिम बंगाल में परिवर्तन का शंखनाद

बीएनएम@ गयाजी

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान अपने दो दिवसीय प्रवास के अनुभवों को साझा करते हुए भाजपा के पक्ष में जबरदस्त लहर होने का दावा किया है। उन्होंने भवानीपुर, चौरंगी, उत्तर हावड़ा और मध्य हावड़ा जैसे प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क के बाद कहा कि बंगाल की जनता अब परिवर्तन और सुशासन के लिए लालायित है। डॉ. कुमार के अनुसार, लोगों का यह एकतरफा रुझान केवल चुनावी आंकड़ा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विकास की आकांक्षा के प्रति अटूट विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे केंद्र सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुँचाएं और जनता की समस्याओं के समाधान हेतु सेवा भाव से कार्य करें। डॉ. प्रेम कुमार ने जोर देकर कहा कि भाजपा का मुख्य उद्देश्य केवल सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि जनता के दिलों को जीतना और एक पारदर्शी शासन व्यवस्था प्रदान करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि बंगाल की जनता इस बार विकास के पक्ष में अपना निर्णायक मत देकर एक सशक्त और नए भारत के निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करेगी।

विपक्ष इतना आशंकित क्यों है?

चुनावी लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व के मूलभूत सिद्धांत को लेकर विपक्ष इतना आशंकित क्यों है? ऐसा नहीं कहा जा सकता कि उसके अंदेशे निराधार हैं। मगर समस्याएं कहीं और हैं। उनके आधार पर बुनियादी सिद्धांत की अनदेखी गलत कदम होगा।विधायिका में महिला आरक्षण के लिए संसद के बुलाए गए विशेष सत्र में संभवतः लोकसभा सीटों के परिसीमन से संबंधित विधेयक भी पारित किया जाएगा। केंद्र हर राज्य की मौजूदा सीट को डेढ़ गुना कर देने के फॉर्मूले पर आगे बढ़ता दिख रहा है। मगर इस फॉर्मूले के तर्क को समझना मुश्किल है। संसदीय लोकतंत्र में निम्न सदन की सीटें जनसंख्या के अनुपात में तय होती हैं। परिसीमन भी इसी सिद्धांत से होना चाहिए। मगर अपना सियासी प्रभाव घटने की दक्षिणी राज्यों की आशंका के समाधान के तौर पर केंद्र ने एकरूप फॉर्मूला निकाला है। मगर इससे कोई उद्देश्य हासिल नहीं होगा। दक्षिण की पार्टियां यह कहते हुए इस फॉर्मूले का विरोध कर रही हैं कि इससे उत्तरी राज्यों और उनकी लोकसभा सीटों की संख्या में फासला और बढ़ जाएगा। कांग्रेस भी अपनी राजनीतिक गणना के तहत इस दलील के साथ खड़ी है। अतः ये सवाल अहम हो जाता है कि आखिर चुनावी लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व के मूलभूत सिद्धांत को लेकर विपक्ष इतना आशंकित क्यों है? ऐसा नहीं कहा जा सकता कि ये अंदेशे निराधार हैं। मगर उनकी जड़ें नरेंद्र मोदी सरकार के संवाद और सहमति को ठुकराने और अपनी सोच को बुल्डोजरी तरीके से लागू करने में छिपी हैं। केंद्र ने राष्ट्रीय विकास परिषद एवं राष्ट्रीय एकता परिषद जैसे संवाद के मंचों को समाप्त कर दिया है। बाकी संस्थाओं को नियंत्रित करने की उसकी कोशिशों ने उससे असहमत तबकों और क्षेत्रों में विपरीत भावनाएं पैदा की हैं। उनका असर परिसीमन से जुड़ी बहस पर देखा गया है। संसद का सत्र भी बिना आम-सहमति बनाए उस समय बुलाया गया है, जब पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर होगा। स्पष्टतः वहां के सांसदों के लिए इससे मुश्किल खड़ी होगी। मगर, इस पृष्ठभूमि के कारण प्रतिनिधित्व के बुनियादी सिद्धांत की अनदेखी गलत परिपाटी को जन्म देगी। परिपक्व लोकतांत्रिक देशों में जनता के सदन को संतुलित करने के लिए अधिकार-प्राप्त उच्च सदन की व्यवस्था की गई है। भारत में ये व्यवस्था आंशिक रूप से ही कारगर है। बहरहाल, समस्या जहां है, उससे कहीं अलग हल ढूंढना नई समस्याओं को जन्म देगा।

दल-बदल की दस्तक और लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

*वर्तमान के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में नैतिकता का प्रश्न - चुनावी सरगर्मियों के बीच सत्ता, सिद्धांत और स्वार्थ की टकराहट, क्या लोकतंत्र का असली 'राजा' अभी भी जागरूक मतदाता है? वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य इस समय अस्थिरताओं, वैचारिक टकरावों और सत्ता-संतुलन के नए समीकरणों से गुजर रहा है।यदि भारतीय लोकतंत्र के भीतर झांका जाए तो यहाँ भी कम उथल-पुथल नहीं दिखती।देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी ने राजनीतिक तापमान को पहले ही ऊँचाई पर पहुँचा दिया है।इसी बीच आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लेना इस तापमान को भुचाल मेंबदलता प्रतीत हो रहा है। यहघटनाक्रम केवल एक दल से दूसरे दल में जाने भर का मामला नहीं है।यह भारतीय राजनीति की उस गहराई को उजागर करता है जहाँ सिद्धांत और स्वार्थ के बीच संघर्ष निरंतर जारी है।जब हम इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में जाते हैं, तो उस आंदोलन की स्मृति ताजा हो उठती है जिसने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने का दावा किया था।अन्ना हजारे के नेतृत्व में चला जनलोकपाल आंदोलन केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ एक आवाज नहीं था। वह एक नैतिक क्रांति का प्रतीक बन गया था।इसी आंदोलन की कोख से अरविन्द केजरीवाल ने एक राजनीतिक दल के रूप में आम आदमी पार्टी का निर्माण किया। यह एक ऐसा प्रयोग था जिसने पारंपरिक राजनीति को चुनौती देते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को अपने मूल सिद्धांतों में शामिल किया। दिल्ली की सत्ता में एक दशक तक बने रहना और राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना इस प्रयोग की सफलता का प्रमाण माना गया।किन्तु समय के साथ यह भी स्पष्ट होता गया कि आदर्शों की जमीन पर खड़ी राजनीति को सत्ता के गलियारों में टिकाए रखना सरल नहीं होता।आज जब उसी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद - जिनमें राघव चड्ढा और हरभजन सिंह जैसे चर्चित नाम शामिल हैं—दल बदलते हैं, तो यह केवल एक संगठनात्मक संकट नहीं रह जाता।यह उस वैचारिक प्रतिबद्धता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है जो कभी इस पार्टी की पहचान हुआ करती थी।इस पूरे घटनाक्रम पर अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण और विचारणीय है।उन्होंने जिस स्पष्टता के साथ दलबदल विरोधी कानून को सख्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया,वह केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। वह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की पुकार है।उनका यह कहना कि वर्तमान व्यवस्था में नेता व्यक्तिगत स्वार्थ के आधार पर पार्टी बदल लेते हैं,भारतीय राजनीति की एक कटु सच्चाई को सामने लाता है। यह सच्चाई किसी एक दल या व्यक्ति तक सीमित नहीं है।यह एक व्यापक प्रवृत्ति बन चुकी है जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों को धीरे-धीरे क्षीण किया है।भारतीय संविधान की आत्मा समाज और राष्ट्र के कल्याण में निहित है।यह किसी राजनीतिक दल के हितों की रक्षा के लिए नहीं बना। जब राजनीति का केंद्र बिंदु सेवा से हटकर सत्ता और संसाधनों के नियंत्रण पर केंद्रित हो जाता है, तब ऐसे विचलन स्वाभाविक हो जाते हैं। अन्ना हजारे ने जिस "सत्ता से पैसा और पैसे से सत्ता" के दुष्चक्र की बात कही,वह आज की राजनीति का यथार्थ चित्रण है। यह दुष्चक्र केवल भ्रष्टाचार को जन्म नहीं देता, बल्कि जनविश्वास को भी गहरी चोट पहुँचाता है।दल-बदल का यह प्रकरण हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारे लोकतंत्र में वैचारिक प्रतिबद्धता अब गौण होती जा रही है। क्या राजनीतिक दल केवल अवसरवादिता के मंच बनकर रह गए हैं। जब कोई नेता किसी विचारधारा के आधार पर जनता का समर्थन प्राप्त करता है और बाद में उसी विचारधारा को त्याग देता है, तो यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता। यह मतदाता के विश्वास के साथ एक प्रकार का विश्वासघात भी है।हालाँकि अन्ना हजारे ने इस घटनाक्रम में सीधे तौर पर सांसदों की आलोचना करने से परहेज किया।उन्होंने अंतिम जिम्मेदारी जनता पर डालते हुए उसे लोकतंत्र का "राजा" बताया। यह दृष्टिकोण भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को दर्शाता है जहाँ अंतिम शक्ति जनता के हाथ में निहित है। यदि मतदाता जागरूक और विवेकपूर्ण निर्णय ले, तो राजनीति में व्याप्त अनेक विसंगतियों को सुधारा जा सकता है।फिर भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए।क्या केवल मतदाता की जागरूकता ही पर्याप्त है। क्या राजनीतिक दलों और नेताओं की कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती।लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नैतिकता का समावेश अनिवार्य है। यदि इन मूल्यों की अनदेखी होती है,तो लोकतंत्र का ढाँचा भले ही कायम रहे,उसकी आत्मा धीरे-धीरे क्षीण हो जाती है।भारतीय राजनीति में दलबदल की समस्या नई नहीं है। साठ और सत्तर के दशक में यह प्रवृत्ति इतनी बढ़ गई थी कि इसे "आया राम,गया राम" की संज्ञा दी गई। इसके बाद दलबदल विरोधी कानून लाया गया, लेकिन समय के साथ उसमें कई खामियाँ सामने आईं।आज आवश्यकता इस बात की है कि इस कानून को अधिक प्रभावी बनाया जाए,ताकि कोई भी जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने जनादेश का दुरुपयोग न कर सके।

वर्तमान घटनाक्रम यह भी संकेत देता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर पिछले कुछ समय से मतभेद और टकराव की स्थिति बनी हुई थी। यह दर्शाता है कि किसी भी राजनीतिक दल के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का सशक्त होना कितना आवश्यक है।जब संवाद और असहमति के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होता,तब असंतोष अंततः विद्रोह का रूप ले लेता है।भारतीय जनता पार्टी द्वारा इन सांसदों का स्वागत किया जाना भी एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। हर राजनीतिक दल अपने विस्तार और मजबूती के लिए ऐसे अवसरों का उपयोग करता है। लेकिन यहाँ यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या केवल संख्या बल बढ़ाना ही राजनीति का उद्देश्य होना चाहिए, या फिर वैचारिक संगति और नैतिक आधार को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।यह पूरा घटनाक्रम हमें लोकतंत्र के मूल प्रश्नों की ओर वापस ले जाता है। क्या हम केवल सत्ता परिवर्तन को ही लोकतंत्र मानते हैं,या उसके मूल्यों और आदर्शों को भी उतना ही महत्व देते हैं। क्या राजनीति केवल एक पेशा बनकर रह गई है,या यह अभी भी सेवा का माध्यम है।

आज जब देश के विभिन्न हिस्सों में चुनाव हो रहे हैं,ऐसे समय में मतदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आता है। यह संदेश है कि वे केवल वादों और नारों के आधार पर नहीं,बल्कि नेताओं के आचरण और उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चयन करें,क्योंकि अंततः वही लोकतंत्र को मजबूत या कमजोर बनाता है।अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में उभरी राजनीति ने एक समय लोगों को यह विश्वास दिलाया था कि व्यवस्था को बदला जा सकता है। आज उसी व्यवस्था के भीतर इस प्रकार के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि परिवर्तन की राह आसान नहीं होती। उसे बनाए रखना उससे भी अधिक कठिन होता है।यह समय केवल आलोचना या समर्थन का नहीं है।यह आत्ममंथन का समय है।राजनीतिक दलों को अपने भीतर झांकना होगा और यह देखना होगा कि वे अपने मूल सिद्धांतों से कितनी दूर चले गए हैं। मतदाताओं को भी यह तय करना होगा कि वे किस प्रकार की राजनीति को प्रोत्साहित करना चाहते हैं।अंततः लोकतंत्र की मजबूती किसी एक दल,एक नेता या एक घटना पर निर्भर नहीं करती।यह उस सामूहिक चेतना पर निर्भर करती है जो समाज के प्रत्येक नागरिक में विद्यमान होती है।यदि यह चेतना जागृत और सक्रिय रहती है,तो कोई भी दुष्चक्र अधिक समय तक टिक नहीं सकता।आज जब भारतीय राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है,तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम केवल घटनाओं को देखने तक सीमित न रहें।हमें उनके पीछे छिपे संकेतों को भी समझना होगा। यही समझ हमें एक बेहतर,सशक्त और नैतिक लोकतंत्र की ओर ले जा सकती है जहाँ सत्ता नहीं,बल्कि सिद्धांत सर्वोपरि हों।

आप में सियासी भूचाल दलबदल कानून के घेरे में 7 राज्यसभा सांसदों का भविष्य

कांतिलाल मांडोत

देश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है जिसने संसद से लेकर राजनीतिक गलियारों तक हलचल मचा दी है। आम आदमी पार्टी में आई इस बड़ी टूट ने न केवल पार्टी के आंतरिक हालात को उजागर किया है बल्कि दलबदल विरोधी कानून की प्रासंगिकता और उसकी सीमाओं पर भी नई बहस छेड़ दी है। राज्यसभा के कई सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की घोषणा के बाद अब यह सवाल सबसे महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या ये सांसद अपनी सदस्यता बनाए रख पाएंगे या उन्हें अयोग्य घोषित किया जाएगा।

इस पूरे मामले के केंद्र में हैं राघव चड्ढा जिनके साथ कई अन्य सांसदों ने भी पार्टी छोड़ने का दावा किया है। इनके साथ संदीप पाठक अशोक मित्तल विक्रम साहनी हरभजन सिंह स्वाति मालीवाल और नरेंद्र गुप्ता जैसे नामों का भी उल्लेख किया जा रहा है। इन सभी के बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने आम आदमी पार्टी से अलग होकर भाजपा का रुख किया है। इस दावे ने राजनीतिक माहौल को और अधिक गरमा दिया है। दूसरी ओर संजय सिंह ने इस पूरे घटनाक्रम को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन को याचिका सौंपकर इन सात सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। उनका कहना है कि इन सांसदों ने संविधान की दसवीं अनुसूची का स्पष्ट उल्लंघन किया है जो दलबदल को रोकने के लिए बनाई गई थी।

भारत में दलबदल विरोधी कानून जिसे दसवीं अनुसूची के नाम से जाना जाता है वर्ष 1985 में 52वें संविधान संशोधन के जरिए लागू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक दलों में स्थिरता बनाए रखना और निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए पार्टी बदलने की प्रवृत्ति को रोकना था। इस कानून के तहत यदि कोई सांसद या विधायक स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है तो उसे अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

इस कानून में एक और महत्वपूर्ण प्रावधान है जो पार्टी व्हिप से जुड़ा हुआ है। यदि कोई सांसद सदन में अपनी पार्टी के निर्देशों के खिलाफ वोट करता है या मतदान से अनुपस्थित रहता है तो भी उसे अयोग्यता का सामना करना पड़ सकता है। इस नियम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पार्टी अनुशासन बना रहे और सरकार या विपक्ष की रणनीति प्रभावित न हो। निर्दलीय सदस्यों के लिए भी इस कानून में स्पष्ट नियम हैं। यदि कोई निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव जीतने के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है तो उसे तुरंत अयोग्य घोषित किया जा सकता है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि मतदाता जिस स्वतंत्र उम्मीदवार को चुनते हैं वह बाद में किसी दल का हिस्सा बनकर उनकी अपेक्षाओं के साथ समझौता न करे।

हालांकि इस कानून में एक महत्वपूर्ण अपवाद भी है जिसे विलय का प्रावधान कहा जाता है। इसके अनुसार यदि किसी दल के दो तिहाई या उससे अधिक सदस्य एक साथ किसी अन्य दल में शामिल हो जाते हैं तो इसे दलबदल नहीं बल्कि वैध विलय माना जाता है और ऐसे सदस्यों को अयोग्यता से छूट मिल जाती है। यही वह बिंदु है जिस पर इस पूरे मामले का भविष्य काफी हद तक निर्भर करेगा। अब सवाल यह है कि क्या आम आदमी पार्टी के इन सांसदों की संख्या दो तिहाई के आंकड़े तक पहुंचती है या नहीं। यदि यह संख्या पूरी होती है तो ये सांसद अपनी सदस्यता बचा सकते हैं अन्यथा इन्हें अयोग्यता का सामना करना पड़ सकता है। यही कारण है कि दोनों पक्ष अपने अपने दावे कर रहे हैं और राजनीतिक गणित तेजी से बदल रहा है।

इस पूरे मामले में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार राज्यसभा के सभापति के पास होता है। वर्तमान में यह जिम्मेदारी उपराष्ट्रपति के पास है जो इस मामले की सुनवाई करेंगे और तथ्यों के आधार पर फैसला देंगे। उनका निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वही तय करेगा कि संबंधित सांसद संसद में बने रहेंगे या नहीं। हालांकि यह भी ध्यान देने वाली बात है कि सभापति का निर्णय अंतिम होने के बावजूद न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि दलबदल से जुड़े मामलों में सभापति के फैसले को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। इसका मतलब है कि यदि किसी पक्ष को निर्णय से असंतोष होता है तो वह न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला केवल एक पार्टी तक सीमित नहीं है बल्कि इसका प्रभाव पूरे देश की राजनीति पर पड़ेगा। यदि बड़ी संख्या में सांसद दलबदल कर बिना अयोग्यता के बच जाते हैं तो यह अन्य दलों के लिए भी एक उदाहरण बन सकता है। वहीं यदि कड़ी कार्रवाई होती है तो यह संदेश जाएगा कि दलबदल कानून अभी भी प्रभावी है और उसका उल्लंघन करने पर सख्त परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या दलबदल विरोधी कानून अपने उद्देश्य को पूरी तरह से पूरा कर पा रहा है या इसमें सुधार की आवश्यकता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इस कानून का उपयोग कई बार राजनीतिक हथियार के रूप में भी किया जाता है जिससे विधायकों और सांसदों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति प्रभावित होती है। वहीं दूसरी ओर यह भी तर्क दिया जाता है कि यदि यह कानून न हो तो राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है और सरकारें गिरने का खतरा बना रह सकता है। आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच यह टकराव आने वाले दिनों में और तेज हो सकता है। दोनों पक्ष अपने अपने तर्कों के साथ जनता और संवैधानिक संस्थाओं के सामने अपनी बात रखेंगे। इस पूरे मामले पर देश की नजर बनी हुई है क्योंकि यह केवल सात सांसदों का मुद्दा नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती से जुड़ा हुआ प्रश्न है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि दलबदल कानून भारतीय लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि इसका उपयोग निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हो ताकि लोकतंत्र की मूल भावना बनी रहे। आने वाले समय में सभापति का निर्णय इस दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत देगा और यह तय करेगा कि राजनीति में दल बदल की प्रवृत्ति पर कितना नियंत्रण संभव है।

(L 103 जलवन्त टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार -स्तम्भकार)

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप अपनी समझदारी और सूझबूझ द्वारा किसी समस्या का हल निकालने में सक्षम होंगे। आपका पूरी तरह से अपने कार्यों के प्रति समर्पित होना आपको सफल करेगा। आज मित्रों और परिवारजनों का भरपूर सहयोग बना रहेगा। भूमि संबंधी कागजी कार्यवाही करने से पहले अच्छी तरह जांच पड़ताल अवश्य कर लें। अगर यात्रा कर रहे हैं, तो अपने सामान का उचित ध्यान रखें।

वृष राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। लेकिन ध्यान रखिए, सफलता हासिल करने के लिए आज आपको बहुत मेहनत की जरूरत है। आज आपका रुका हुआ पैसा मिल सकता है। आज आपके दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहेगा। आज का दिन बहुत ही सावधानी से काम करने का है। अपने व्यावसायिक योजनाओं को किसी के भी सामने जाहिर ना करें।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। बिजनेस में आपको बड़ा ऑर्डर मिलेगा, जिसपर एकाग्र चित्त होकर काम करेंगे। प्रॉपर्टी संबंधी कार्यों में बड़ी डील हो सकती है। सरकारी सेवारत लोग अपने क्लाइंट के साथ अच्छे से पेश आयेंगे। आज किसी अन्य व्यक्ति का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत जीवन पर ना होने दें।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज चुनौतियों को स्वीकार करना आपके लिए सफलता के मार्ग खोलेगा। प्रभावशाली इंसानों की मदद आपकी तरक्की में मददगार रहेगी। मेहनत के मुताबिक आपको उचित फल भी प्राप्त होंगे। आज वहम और शक जैसी नकारात्मक बातों को अपने जीवन में स्थान ना दें। आज जरूरतमंद और बुजुर्गों की सेवा व देखभाल में भी आपकी विशेष रुचि रहेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह के गतिविधियों में व्यस्तता रहेगी। अपने जनसंपर्क को और अधिक मजबूत करें, इनके द्वारा आपको चमत्कारिक रूप से भावी लक्ष्य की प्राप्ति भी होगी। आज नजदीकी धार्मिक यात्रा का भी प्रोग्राम बन सकता है। आज आपकी सलाह काफी हद तक दोस्तों की समस्याओं को सुलझाने में कारगर साबित होगी। परंतु आज अपने व्यक्तिगत कार्यों पर भी ध्यान दें। आज विभिन्न गतिविधियों में आपकी उपस्थिति रहेगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसाय में किसी भी बाहरी व्यक्ति से बातचीत करते समय बहुत अधिक धैर्य और संयम बनायें रखने की आवश्यकता है। आज जल्दबाजी में लिए गये फैसले गलत हो सकते हैं इसलिए माता जी से राय लेना उचित रहेगा। आज आपको काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ेगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि रहने से आपकी सोच भी सकारात्मक और संतुलित रहेगी। आर्थिक मामलों में बेहतरीन सफलता मिलने की स्थिति बन रही है। इसलिए अपने कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करते चलें।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। अपनी व्यावसायिक कार्यप्रणाली में परिवर्तन लाने की जरूरत है। आज पब्लिक संपर्कों को और अधिक बेहतर बनाएंगे। इससे व्यावसायिक स्त्रोत बनेंगे। किसी राजनीतिक इंसान की मदद से आपके काम हो सकते हैं।

धनु राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति की सहायता से रुका कार्य पूरा हो सकता है। आज दिन को बहुत ही सकारात्मक तरीके से व्यतीत करें। आपने कई रुके हुए काम को फिर से शुरू करेंगे और सफलता भी मिलेगी। किसी से ज्यादा उम्मीदें ना रखें बल्कि अपनी कार्य क्षमता व योग्यता पर ही विश्वास रखें। व्यर्थ की गतिविधियों में अपना समय व्यर्थ न करें।

मकर राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बिजनेस संबंधी योजना चल रही है, तो उस पर काम करने की कोशिश करें। आज आर्थिक रूप से दिन अच्छा है। आज रुका हुआ पैसा मिल सकता है। नौकरी कर रहे लोग अपने काम के प्रति ज्यादा ध्यान देंगे, क्योंकि आपके प्रमोशन के योग बन रहे हैं। अत्याधिक मेहनत की वजह से मानसिक और शारीरिक थकान महसूस होगी। ऊर्जा बनाए रखने के लिए ड्राई फ्रूट्स का सेवन करें।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज का समय भरपूर मेहनत करने का है। आपको अपने प्रयासों के निश्चित ही उचित परिणाम मिलेंगे। कुछ महत्वपूर्ण लोगों के साथ मेल-जोल बढ़ाने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप अपनी योग्यता और कार्यकुशलता द्वारा उम्मीद से ज्यादा लाभ हासिल करने वाले हैं। व्यस्तता के बावजूद कुछ समय घर परिवार व संबंधियों के साथ व्यतीत करना आपको ऊर्जावान बनाएगा। युवाओं को अपने किसी प्रोजेक्ट में सफलता मिलने से राहत मिलेगी।

क्रेमलिन का बहीखाताः रूस की मध्यस्थता और ट्रंप की 'लेन-देन' वाली कूटनीति की विफलता

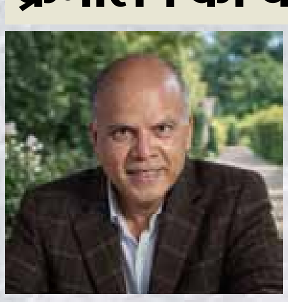

प्रो. पूर्णेंदु रंजन

डोनाल्ड ट्रंप की लगातार बयानबाजी—जो व्यापार संतुलन, डॉलर की मजबूती और 'अमेरिका फर्स्ट' के सिद्धांत के इर्द-गिर्द घूमती है—एक ऐसे विश्व दृष्टिकोण को दर्शाती है जहाँ आर्थिक पैमानों को ही वैश्विक व्यवस्था का एकमात्र निर्माता मान लिया गया है। यह संकुचित नज़रिया, जो राष्ट्र की संप्रभुता को किसी कॉर्पोरेट बैलेंस शीट (बहीखाते) की तरह देखता है, आधुनिक राष्ट्र-राज्य के लिए एक गहरा संकट बन गया है। संकट के इस दौर में 'ट्रेड फर्स्ट' (व्यापार प्रथम) के दर्शन को प्राथमिकता देकर, वर्तमान अमेरिकी प्रशासन ने राष्ट्र के नैतिक और सांस्कृतिक अस्तित्व को गौण कर दिया है, जिससे अस्तित्व की लड़ाई को एक महज 'लेन-देन' का सौदा बना दिया गया है।

'ट्रेड फर्स्ट' संकट की प्रस्तावना- इस 'डॉलर-प्रधान' कूटनीति के संकेत मई 2025 में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ही मिल गए थे। हालाँकि वह संघर्ष गहरी सभ्यतागत चिंताओं और परमाणु युद्ध की कगार तक पहुँचा हुआ था, लेकिन व्हाइट हाउस ने उस संकट को केवल बाजार की स्थिरता और व्यापारिक मार्गों के चश्मे से देखा। एक परमाणु खतरे को मानवीय आपातकाल के बजाय वैश्विक वाणिज्य में आने वाली बाधा के रूप में लिया गया। इसके बाद 3 जनवरी 2026 को वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो की गिरफ्तारी हुई—एक ऐसा कदम जिसने एक संप्रभु राष्ट्र की कानूनी अखंडता के ऊपर राजनीतिक लाभ को तरजीह दी।

तर्क और विचारधाराओं का टकराव- 28 फरवरी 2026 को शुरू हुआ युद्ध, 'आर्थिक इंजन' मॉडल और 'सभ्यता-राज्य' (Civilization-State) के बीच एक बड़े टकराव का प्रतिनिधित्व करता है। जहाँ अमेरिका इस संघर्ष को समुद्री व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा की लड़ाई के रूप में देख रहा है, वहीं ईरान के लिए इसके दांव पूरी तरह से अस्तित्व से जुड़े हैं। यह वैचारिक अंतर लेबनान पर हो रही निरंतर बमबारी से और गहरा गया है। तीन सप्ताह के कथित युद्धविराम के बावजूद, इजरायली सेना ने 8 अप्रैल से अब तक 500 से अधिक हमले किए हैं, जिनमें 2,196 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। यह कड़वी हकीकत साबित करती है कि जब तक 'उत्तरी मोर्चा' एक सक्रिय युद्ध क्षेत्र बना रहेगा, तब तक युद्धविराम को व्यापारिक तर्क से कायम नहीं रखा जा सकता।

'सुविधा' से 'मध्यस्थता' तकः सेंट पीटर्सबर्ग का रणनीतिक झुकाव- कॉर्पोरेट मॉडल की सीमाओं का परीक्षण इस्लामाबाद में विफल रही शांति कोशिशों में हुआ। जहाँ पाकिस्तान ने एक अनिवार्य 'सुविधा प्रदाता' (Facilitator) के रूप में भूमिका निभाई—शुरुआती युद्धविराम के लिए एक निष्पक्ष मंच प्रदान किया—लेकिन उसके पास किसी स्थायी समाधान के लिए आवश्यक भू-राजनीतिक प्रभाव की कमी थी। जैसे ही 22 अप्रैल की समय सीमा समाप्त हुई और अमेरिका का 'सदाबहार व्यापारिक मॉडल' विफल हुआ, कूटनीति का केंद्र इस्लामाबाद से हटकर सेंट पीटर्सबर्ग की ओर झुक गया। 27 अप्रैल 2026 को ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई बैठक ने शांति की तलाश में एक रणनीतिक बदलाव का संकेत दिया हैः

णनीतिक मध्यस्थताः इस्लामाबाद द्वारा प्रदान की गई तार्किक सुविधा के विपरीत, पुतिन अब एक रणनीतिक मध्यस्थ(Mediator) के रूप में उभरे हैं। उन्होंने इस संघर्ष को 'संप्रभुता' के संदर्भ में परिभाषित किया है—जो राष्ट्र को एक व्यावसायिक इकाई मानने के अमेरिकी दृष्टिकोण को सीधी चुनौती है।

अलगाव का प्रस्तावः सेंट पीटर्सबर्ग में, तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री संकट को परमाणु वार्ता से अलग करने का प्रस्ताव रखा। रूसी कूटनीतिक वजन के समर्थन से, यह कदम ईरान की रणनीतिक स्वायत्तता को सुरक्षित रखते हुए अमेरिकी नाकाबंदी को हटाने की एक कोशिश है।

शक्ति का केंद्रः ईरानी प्रतिनिधिमंडल का पाकिस्तान से रूस की ओर रुख करना यह दर्शाता है कि तेहरान अब यह नहीं मानता कि 'लेन-देन' वाली शर्तें उसके अस्तित्व की गारंटी दे सकती हैं।

बैलेंस शीट का अंधापन- इस्लामाबाद में बातचीत इसलिए ठप हुई क्योंकि अमेरिकी प्रशासन ने यह मान लिया था कि राष्ट्र भी किसी 'फर्म' की तरह व्यवहार करते हैं जो केवल लाभ-हानि के विश्लेषण से संचालित होती है। प्रतिबंधों के खिलाफ ईरान की अवज्ञा यह साबित करती है कि उनके लिए तर्क का आधार कुछ और हैः 'अस्तित्व की रक्षा'। राष्ट्रपति ट्रंप की यह धमकी कि यदि सौदा स्वीकार नहीं किया गया तो ईरानी बिजली संयंत्रों को 'नष्ट' कर दिया जाएगा, उस अहंकार को दर्शाती है जो इस संघर्ष के पीछे की सभ्यतागत और नैतिक संवेदनशीलता को समझने में विफल है। जब किसी राष्ट्र को केवल एक बाज़ार के रूप में परिभाषित किया जाता है, तो समृद्धि कम होते ही उसका अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है। केवल व्यापारिक केंद्रों के माध्यम से युद्ध का विश्लेषण करना एक गहरी मानवीय अंधता को जन्म देता है; लेबनान में नागरिक हताहत और बड़े पैमाने पर विस्थापन केवल बैलेंस शीट की प्रविष्टियाँ (entries) नहीं हैं। एक कॉर्पोरेट कंपनी तो घाटे वाले बाजार से 'बाहर' निकल सकती है, लेकिन एक राष्ट्र अपने भूगोल या अपने लोगों को छोड़कर नहीं जा सकता।

निष्कर्ष- मानवता को तीसरे विश्व युद्ध के साये से मुक्त रखने के लिए, बहीखातों से परे जाकर संवाद आधारित समाधान की तत्काल आवश्यकता है। वैश्विक राजनीति में आज भी क्षेत्र, विश्वास और सुरक्षा ही मार्गदर्शक तर्क बने हुए हैं। राष्ट्र का अस्तित्व लाभ को अधिकतम करने के लिए नहीं, बल्कि इस अस्थिर दुनिया में अपनी पहचान, न्याय और अस्तित्व की रक्षा के लिए है।

लेखक चंडीगढ़ स्थित एक सामाजिक इतिहासकार हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2026 : प्लेऑफ के लिए पंजाब सहित ये चार टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरीं

एजेंसी, मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। अभी तक कुल 70 मैचों में से 36 मुकाबले पूरे हो गये हैं। इससे बाद प्लेऑफ के लिए अब टीमों के बीच मुकाबला और कड़ा हो गया है। पंजाब किंग्स की टीम इस सत्र में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। पंजाब ने अभी तक खेले गए 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस प्रकार कुल 13 अंकों के साथ, पंजाब अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए नंबर एक पर है। अगले दो से तीन मैचों में ही उसे नॉकआउट दौर का टिकट मिलना तय है।

वहीं पंजाब के अलावा, अंक तालिक में शी-4 में शामिल गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी शामिल हैं। राजस्थान और हैदराबाद ने 8-8 मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि बेंगलुरु ने अभी तक 7 मैच खेले हैं। इन तीनों टीमों के भी 10-10 अंक हैं, जिससे ये प्लेऑफ की दौड़ में बचे हुए तीन स्थानो के लिए सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इनका जबरदस्ता प्रदर्शन इन्हें इसके योग्य बनाता है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के लिए प्लेऑफ की में पहुंचना कठिन है। इन तीनों ही टीमों के 7-7 मैचों के बाद 6-6 अंक हैं। जबकि प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरुरत होती है। ऐसे में चेन्नई, दिल्ली और गुजरात को प्लेऑफ के लिए अपने बचे हुए 7 में से कम से कम 5 मैच जीतने होंगे, जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा है।

इकसे अलावा मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की बात करें तो ये टीमें आईपीएल से बाहर होने की दहलीज पर पहुंच गयी हैं। मुंबई और लखनऊ ने अब तक 7-7 मैच खेले हैं और इनके केवल 4-4 अंक हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन और भी निराशाजनक रहा है, जिसने इतने ही मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है। इन तीनों टीमों की वापसी अब संभवन नजर नहीं आती।

ईशान बोले टीम से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारी, वापसी के लिए प्रयास किया

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि जब उन्हें साल 2024 में राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी थी और वह लगातार अभ्यास करते रहे। ऐसे में टीम से करीब दो साल तक बाहर रहने के बाद भी वह वापसी में सफल रहे। ईशान के अनुसार टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने हताश होने की जगह पर अपने खेल को बेहतर बनाने और निरंतरता हासिल करने पर ध्यान दिया। इसी प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने इस

साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह मिली। किशन ने अपनी वापसी का श्रेय घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन को दिया, जहां उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए और अपनी कप्तानी में झारखंड को प्रतियोगिता का खिताब भी जिताया। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए, शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने आगे जोर दिया, राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने बताया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई। इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया।

आईपीएल में ऑरेंज कैप की सूची में अभिषेक, पर्पल कैप की सूची में अंशुल शीर्ष पर

एजेंसी, मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। इसके बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 380 रनों के साथ ही शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 330 रन बनकार पांचवे नंबर पर पहुंच गये हैं। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के अंशुल कंबोज शीर्ष

पर बने हुए हैं। ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में हर मैच के साथ बदलाव आ रहे हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पाँच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह शुभमन 330 रन बनाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गये हैं। शीर्ष पाँच में अन्य बल्लेबाजों में केएल राहुल और वैभव सूर्यवंशी दोनों 357 रनों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं, जबकि हेनरिक क्लासेन 349 रनों के साथ चौथे स्थान पर काबिज हैं। इससे साफ है कि ऑरेंज कैप की दौड़ में कड़ा मुकाबला जारी है।

दूसरी ओर गेंदबाजों के लिए पर्पल कैप की टक्कर और भी रोमांचक हो गई है। सीएसके के तेज गेंदबाज अंशुल बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही इस दौड़ में नंबर एक पर बने हुए हैं।

बीसीसीआई ने आचारसंहित उल्लंघन के लिए केकेआर के अंगक्रिश पर जुर्माना लगाया

एजेंसी, मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आचार संहिता उल्लंघन के लिए कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के उभरते हुए बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी पर जुर्माना लगाया है। अंगक्रिश पर ये जुर्माना केकेआर को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली जीत के बाद लगाया गया। बोर्ड की आईपीएल गवर्निंग बॉडी ने इस बल्लेबाज पर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही, उन्हें लीग उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इस बल्लेबाज पर ये कार्रवाई उसकी उग्र प्रतिक्रिया को देखते हुए की गयी है। बीसीसीआई की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि अंगक्रिश को आईपीएल आचार संहिता के तहत लेवल 1 अपराध का दोषी पाया गया है। यह क्रिकेट उपकरण या कपड़े, मैदान उपकरण आदि के दुरुपयोग से संबंधित है। अंगक्रिश ने अपने अपराध को स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद मैच रेफरी का फैसला अंतिम माना गया। गौरतब है कि यह मामला तब का है जब तीसरे अंपायर के आउट दिए जाने के बाद अंगक्रिश ने आपा खो दिया और पवेलियन लौटते समय बल्ले से बाउंड्री कुशन पर मारा और अपना हेलमेट भी जमीन पर फेंक दिया। उनकी यह प्रतिक्रिया खेल भावना के विपरीत मानी गई और इसी के चलते उन पर यह जुर्माना लगाया गया है।

वैभव जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी को मिलती है : कैफ

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रॉयल्सके युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी खिलाड़ी में मिलती है। कैफ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव की विस्फोटक पारी को देखते हुए ये बात कही है। वैभव ने इस मैच में केवल 37 गेंदों में ही 103 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। जिसमें 12 छक्के और पांच चौके शामिल थे।

कैफ ने इसी पारी को देखते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में, वैभव आईपीएल में शीर्ष गेंदबाजों पर भी आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। उन्होंने वैभव के निडर होकर खेलने के तरीके को विशेष रुप से पसंद किया है। साथ ही कहा कि इस बल्लेबाज ने जिस प्रकार से प्रफुल हिंगे पर लगातार चार छक्के लगाये। वह भी साबित करता है कि वैभव दबाव में नहीं आते जबकि पिछले मैच में हिंगे ने पहली ही गेंद पर उन्हे आउट कर दिया था।

कैफ के अनुसार जिस प्रकार से वैभव ने पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज को निशाना बनाया है वह भी बड़ी बात है। इससे पहले के मुकाबालों में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर की भी पिटाई की थी। कैफ का मानन है कि वैभव एक निडर क्रिकेटर हैं जो आईपीएल में ऐसे खेल रहे हैं, जैसे वह किसी गली क्रिकेट में खेल रहे हों।

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ अंबा ऑटो सेल्स का आईपीओ, 5 मई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (हि.स.)। ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी अंबा ऑटो सेल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड का 65.12 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 29 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 30 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 4 मई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 5 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। शाम 3:25 बजे तक इस आईपीओ को 11 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 130 रुपये से लेकर 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,70,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 48.24 लाख शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 9.62 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 37.97 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 47.39 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए कैपिटल स्कावयर एडवाइजर्स प्रा.लि. को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्रा. लि. को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं ऋखव सिक्योरिटीज लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

अंबा ऑटो सेल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 64 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.89 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 7.78 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 12.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 113.05 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 211.33 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 242.46 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 203.79 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था।

इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 27.13 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 37.21 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 55.22 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 57.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 4.48 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 7.37 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 15.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 26.90 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,180 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना

1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे द्वारा की शांति वार्ता शुरू होने की उम्मीद ने आज दुनिया भर के बाजार में उत्साह का माहौल बना दिया है। घरेलू शेयर बाजार में भी शांति वार्ता की उम्मीद की वजह से शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में मामूली बिकवाली भी हुई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने दोबारा बाजार में अपना जोर बना दिया। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी का रुख बन गया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.78 प्रतिशत और निफ्टी 0.77 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती

1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से सन फार्मास्युटिकल्स, अदानी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, कोटक महिंद्रा और टेक महिंद्रा के शेयर 7.36 प्रतिशत से लेकर 1.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एक्सिस बैंक, श्रीराम फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोल इंडिया और बजाज फाइनेंस के शेयर 3.96 प्रतिशत से लेकर 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,815 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,386 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 429 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 26 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर चार शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और आठ शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 191.84 अंक की मजबूती के साथ 76,856.05 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से यह सूचकांक गिर कर 76,754.20 अंक के स्तर तक आ गया।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में शांति वार्ता के लिए ईरान द्वारा अमेरिका को नया प्रस्ताव देने के बाद ग्लोबल मार्केट में उत्साह का माहौल बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। खरीदारी के इस सपोर्ट से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,165.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 398.09 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,836.60 अंक के

स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,379.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,157.82 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत टूट कर 24,128.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ प्रमुख बाजारों में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज का स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,903.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 83 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,037 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,012 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,097.58 अंक यानी 2.82 प्रतिशत उछल कर 40,029.98 अंक के स्तर पर आ गया है।

मस्ती निर्देशक की नई फिल्म तेरा यार हूं मैं का ऐलान रिलीज तारीख से उठा पर्दा

पिछले साल आई रोमांटिक फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत के निर्देशक मिलाप जावेरी की नई फिल्म का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी गई है। इस बार मिलाप जावेरी प्यार, दर्द और संगीत की कहानी 'तेरा यार हूं मैं लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं। मेकर्स ने फिल्म की घोषणा करते हुए एक मोशन पोस्टर जारी किया है। इसमें फिल्म के लीड कलाकार अमन इंद्र कुमार और आकांक्षा शर्मा नजर आ रहे हैं।

व्हाइट बैकग्राउंड में दोनों के चेहरों का क्लोज अप शॉट है, जिसमें दोनों एक-दूसरे में खोए नजर आ रहे हैं। साथ में पीछे जुबीन नौटियाल की आवाज में एक लाइन भी सुनाई देती है। इसको शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, 'प्यार, दर्द और संगीत के लिए तैयार हो जाइए। तेरा यार हूं मैं की रिलीज डेट तय हो गई है। यह फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में आ रही है। यह रोमांचक लव स्टोरी बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। अभी तक फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, फिल्म की कास्ट की बात करें तो 'तेरा यार हूं मैं से 'धमाल जैसी फिल्म के निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर रहे हैं। यह उनकी पहली फिल्म है। उनके साथ आकांक्षा शर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। जबकि फिल्म की कास्ट में परेश रावल का नाम भी नजर आ रहा है। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी ने किया है। मिलाप जावेरी की आखिरी निर्देशित फिल्म 'मस्ती फ्रेंचाइजी की 'मस्ती 4 है, जो पिछले साल रिलीज हुई थी। पिछले साल ही उनकी रोमांटिक फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत भी रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने काफी चर्चाएं बटोरी थीं। वहीं क्रिटिक्स और दर्शकों की भी इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। अब वो 'तेरा यार हूं मैं के साथ एक नई लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं।

छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेना बंद करना चाहिए : परिणीति चोपड़ा

इंस्टाग्राम के जरिए बालीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने सेल्फ-लव, मानसिक शांति और जीवन की सादगी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेत्री ने अपने एक विस्तृत नोट लिखा, जिसमें उन्होंने जीवन को सकारात्मकता और संतोष के साथ जीने की सलाह दी। परिणीति चोपड़ा ने अपने पोस्ट में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विशेष जोर दिया। परिणीति ने लिखा कि हमें छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेना बंद कर देना चाहिए, क्योंकि यह अनावश्यक रूप से हमारी ऊर्जा को खत्म करता है। उन्होंने शरीर को हमारी सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे इसकी आलोचना करने के बजाय इसके प्रति दयालु हों और इसे सम्मान दें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें अपने शरीर को बेहतर पोषण देना चाहिए और इसे सक्रिय रखना चाहिए, क्योंकि भविष्य में हमें इन पलों की कमी महसूस होगी जब हमारा शरीर उतना ऊर्जावान नहीं रहेगा। परिणीति चोपड़ा ने सभी को भागदौड़ भरी जिंदगी से ब्रेक लेने की सलाह देते हुए कहा कि वास्तविक खुशी भौतिक चीजों के पीछे भागने में नहीं, बल्कि सुकून के साथ वर्तमान को जीने में है। उन्होंने सलाह दी कि हमें बाहर निकलना चाहिए, खुले आसमान को देखना चाहिए और सूरज की रोशनी को महसूस करना चाहिए, क्योंकि प्रकृति से जुड़ने में एक अलग तरह की शांति मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपनों के साथ बिताए गए समय को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि रिश्ते जीवन का आधार होते हैं। आज के दौर में स्मार्टफोन की लत पर कटाक्ष करते हुए अभिनेत्री ने लिखा कि हमें अपना फोन नीचे रखना चाहिए और सचमुच वहां मौजूद रहना चाहिए जहां हम हैं, ताकि हम अपने प्रियजनों से खुलकर अपने प्यार का इजहार कर सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी की मदद करना या किसी को प्यार भरा नोट लिखना वह खुशी देता है जिसे पैसों से नहीं खरीदा जा सकता; यह आत्मिक संतोष का अनुभव होता है। अपने पोस्ट के अंत में परिणीति ने एक बहुत ही व्यावहारिक सलाह दी। उन्होंने कहा कि हमें उन चीजों या कामों को ना कहना सीखना चाहिए जो हमें मानसिक रूप से थका देते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीवन में हर उलझन को तुरंत सुलझाना जरूरी नहीं है, बल्कि जरूरी यह है कि आप अपनी खुशी के लिए बदलाव करने का साहस रखें और अपनी मानसिक शांति को प्राथमिकता दें। परिणीति चोपड़ा पिछली बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म अमर सिंह चमकीला में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने गायक दिलजीत दोसांझ के साथ अभिनय किया था।

परवीन बॉबी से रेखा तक को देखा, कृतिका कामरा ने बताए मटका किंग में गुलरुख के खास लुक के राज

भारतीय ओटीटी और फिल्मों की दुनिया में जब भी किसी पुराने दौर को पर्दे पर दोबारा दिखाया जाता है, तो उसके पीछे गहरी रिसर्च होती है। ऐसी ही एक कोशिश हाल ही में वेब सीरीज़ मटका किंग में देखने को मिली, जहां अभिनेत्री कृतिका कामरा ने अपने किरदार गुलरुख के जरिए 1960 और 1970 के दशक के मुंबई का फैशन और माहौल फिर से जीवंत कर दिया। इस किरदार की तैयारी में उन्होंने न सिर्फ उस समय की मशहूर फिल्मों और सितारों को देखा, बल्कि उस दौर की असली जिंदगी, स्टाइल और सामाजिक माहौल को भी करीब से समझने की कोशिश की। कृतिका कामरा ने बताया कि उनके किरदार का लुक बनाने की शुरुआत एक खास तस्वीर से हुई थी, जो निर्देशक नागराज सर ने उन्हें दिखाई थी। यह तस्वीर परवीन बॉबी की थी। उन्होंने कहा, इसके बाद टीम ने जीनत अमान, शर्मिला टैगोर और रेखा जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों के स्टाइल और पर्सनैलिटी को भी देखा। कॉस्ट्यूम डिजाइनर प्रियंका दुबे ने मेरे साथ कई बार ट्रायल किए, ताकि हर आउटफिट, हर ड्रेस और हर लुक उस समय की असलियत को सही तरह से दिखा सके। कृतिका ने कहा, टीम ने उस दौर की असली तस्वीरों और दस्तावेजों को भी खंगाला। इसमें जैज क्लब, रेसिंग इवेंट्स और पारसी इवेंट्स के कार्यक्रमों की तस्वीरें शामिल थीं। इन सब चीजों ने मिलकर यह समझने में मदद की कि उस समय लोग कैसे रहते थे, कैसे कपड़े पहनते थे और उनका पूरा माहौल कैसा हुआ करता था। यही वजह है कि गुलरुख का किरदार सिर्फ एक फैशनेबल लुक नहीं बल्कि एक जीवंत समय का एहसास देता है। कृतिका कामरा ने कहा, मेरे किरदार को गढ़ने में सिर्फ कपड़े या मेकअप ही नहीं, बल्कि हर छोटी चीज का ध्यान रखा गया था। हेयरस्टाइल से लेकर जूते और एक्सेसरीज तक सब कुछ बहुत सोच-समझकर चुना गया। इन्हीं बारीकियों की वजह से मुझे अपने किरदार में ढलने और गुलरुख के आत्मविश्वास को समझने में मदद मिली। जब तक किरदार का पूरा लुक सही नहीं होता, तब तक उसकी असली भावना को पर्दे पर लाना मुश्किल होता है।

परब्रमता चटर्जी के साथ काम कर खुश हैं निमृत कौर अहलूवालिया बताया सबसे अच्छा इंसान

कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखने लगती है। ऐसी ही दोस्ती अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया और बंगाली अभिनेता परब्रमता चटर्जी के बीच देखने को मिली। दोनों इन दिनों एक नई थ्रिलर-एक्शन वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। निमृत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार की जमकर तारीफ की और उन्हें सबसे अच्छा इंसान बताया। निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की, जो नैनिताल की शूटिंग के दौरान ली गई है। इस तस्वीर में वह और परब्रमता चटर्जी साथ खड़े नजर आ रहे हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर

में उनकी दोस्ती साफ दिख रही है। इस फोटो के साथ निमृत ने कैप्शन में लिखा, परब्रमता चटर्जी इस दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। फिलहाल इस नई वेब सीरीज का नाम अभी सामने नहीं आया है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी गोपनीय रखी गई है। फिल्म की शूटिंग पिछले हफ्ते शुरू हो चुकी है और इसे एक थ्रिलर-एक्शन कहानी के रूप में बनाया जा रहा है। इससे पहले फरवरी में खबर आई थी कि निमृत एक नई थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जिसका नाम अब होगा हिसाब बताया जा रहा है। इसकी कहानी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी होगी। इस शो में संजय कपूर, शहीर शेख और मौनी रॉय जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं। इस सीरीज को एरे स्टूडियो प्रोड्यूस कर रहा है और इसका निर्देशन दिव्यांशु मल्होत्रा कर रहे हैं। कहानी एक रहस्य और बदले पर आधारित है, जिसमें इंसानी भावनाएं, सत्ता की लड़ाई और छिपे हुए राज दिखाए जाएंगे। इस कहानी में निमृत का किरदार काफी अहम बताया जा रहा है। बता दें कि निमृत इससे पहले पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा, बब्बू मान और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी थे। यह फिल्म 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

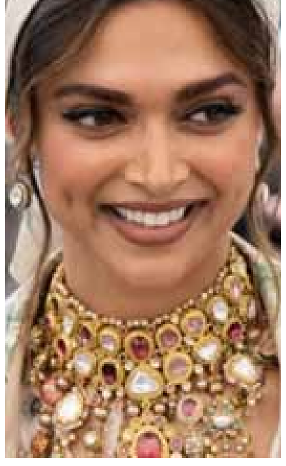

दीपिका को तीन फिल्मों ने बना दिया सबसे सफलतम अभिनेत्री

बॉलीवुड फिल्म धुरंधर की सफलता का अभिनेता रणवीर सिंह जश्न मना रहे हैं, उधर उनकी पत्नी एवं अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने बॉक्स ऑफिस पर उनसे कहीं पहले ही अरबों का कारोबार कर अपना स्टारडम स्थापित कर लिया था। रणवीर सिंह के साथ उनकी व्यक्तिगत सफलता एक सुखद संयोग हो सकती है, लेकिन उनका अपना स्टारडम इन विशाल आंकड़ों से स्पष्ट झलकता है, जो उन्हें समकालीन सिनेमा की सबसे बड़ी महिला सितारों में से एक बनाता है। दीपिका ने तीन ऐसी फिल्में दी हैं, जिन्होंने 1000 करोड़ रुपये से अधिक और एक ने तो 2000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की कमाई कर उन्हें भारतीय सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में से एक बना दिया है। सबसे पहले बात करते हैं साल 2023 की ब्लॉकबस्टर पठान की, जिसमें दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान और जॉन अब्राहम के साथ काम किया। इस रोमांचक स्पाई-एक्शन फिल्म में दीपिका ने रुबिना मोहसिन नामक एक रहस्यमयी आईएसआई एजेंट का किरदार निभाया, जो बाद में देशहित के लिए पठान के साथ मिलकर काम करती है। हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस और शानदार इंटरनेशनल लोकेशन्स से भरपूर इस फिल्म ने दुनियाभर में 1050 करोड़ रुपये का विशाल कलेक्शन किया, जिसमें दीपिका का ग्लैमरस व एक्शन से भरपूर अवतार दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया गया। यह फिल्म यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी। इसी साल 2023 में दीवाली के मौके पर रिलीज हुई जवान में भी दीपिका पादुकोण शाहरुख खान के साथ एक खास भूमिका में नज़र आईं। इस फिल्म में उन्होंने ऐश्वर्या राठौर नामक एक साहसी महिला और मां का किरदार निभाया, जिसने फिल्म की कहानी को एक मजबूत भावनात्मक गहराई दी। दीपिका का यह कैमियो भले ही छोटा था, लेकिन बेहद प्रभावशाली रहा और दुनियाभर में 1150 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर जवान ने भी बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा। एटली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दीपिका के अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा।

इससे पहले, साल 2017 में दीपिका पादुकोण ने हॉलीवुड में एक्सएक्सएक्स : द रिटर्न ऑफ जेंडर केज से अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। इस फिल्म में उन्होंने सेरेना उंगर का दमदार रोल निभाया था, जिसमें विन डीजल मुख्य भूमिका में थे। दीपिका का किरदार एक मजबूत और रहस्यमयी योद्धा का था, जिसने अपनी वफादारी से अंत तक सस्पेंस बनाए रखा। लगभग 550 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस हॉलीवुड फिल्म ने दुनियाभर में 2800 करोड़ रुपये का अविश्वसनीय कलेक्शन किया। इस फिल्म के जरिए दीपिका ने न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई, बल्कि इसमें उनके दमदार एक्शन सीन्स को भी खूब सराहा गया, जिसने उन्हें पठान और जवान जैसी फिल्मों में एक्शन भूमिकाओं के लिए तैयार किया।

शांति की तलाश में ओशो आश्रम आई थी याना गुप्ता

लगातार काम और ग्लैमर की भागदौड़ से अभिनेत्री याना गुप्ता मन जब थक गया, तब वह शांति और सुकून की तलाश में भारत के पुणे स्थित ओशो आश्रम आ गईं। यूरोप और जापान में मॉडलिंग की दुनिया में नाम कमाने के बाद अध्यात्म की खोज में भारत आई याना आगे चलकर बॉलीवुड की सबसे चर्चित आइटम गर्ल्स में से एक बन गईं। याना गुप्ता का जन्म 23 अप्रैल 1979 को चेकोस्लोवाकिया के ब्रनो शहर में हुआ था, जो आज चेक रिपब्लिक का हिस्सा है। उनका असली नाम जाना सिंकोवा था। बचपन से ही उनकी जिंदगी आसान नहीं रही; जब वे छोटी थीं, तभी उनके माता-पिता अलग हो गए थे। इसके बाद उनकी मां ने अकेले ही याना और उनकी बहन की परवरिश की। परिवार आर्थिक रूप से परेशानियों का सामना कर रहा था, इसलिए याना ने बचपन से ही संघर्ष देखा। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने

गार्डनिंग और पार्क आर्किटेक्चर की पढ़ाई शुरू की। इसी दौरान उनकी एक दोस्त मॉडलिंग कोर्स करने जा रही थी और उसने याना को भी साथ चलने के लिए कहा, यहीं से उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया। याना ने मॉडलिंग सीखी और बहुत जल्द इस दुनिया में पहचान बना ली। कम उम्र में ही वे प्रोफेशनल मॉडल बन गईं और यूरोप के कई देशों के साथ-साथ जापान में भी काम करने लगीं। लेकिन, लगातार काम और ग्लैमर की दुनिया की भागदौड़ से वे धीरे-धीरे परेशान होने लगीं। उन्हें लगने लगा कि जिंदगी में सिर्फ काम और शोहरत ही सब कुछ नहीं है; वे मानसिक शांति चाहती थीं। इसी दौरान उन्हें भारत के पुणे में मौजूद ओशो आश्रम के बारे में पता चला। उन्होंने सब कुछ छोड़कर भारत आने का फैसला किया। यहां वे अध्यात्म और खुद को समझने की कोशिश करने लगीं। ओशो आश्रम में ही उनकी मुलाकात कलाकार सत्यकाम गुप्ता से हुई। दोनों करीब आए और साल 2001 में शादी कर ली। शादी के बाद उन्होंने अपने नाम के साथ गुप्ता जोड़ लिया और भारत को ही अपना घर बना लिया। इसी दौरान उन्होंने भारत में मॉडलिंग की शुरुआत की। शुरुआत में उन्हें यहां कोई नहीं जानता था, इसलिए उन्होंने खुद मेहनत करके काम ढूंढना शुरू किया। मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी के साथ काम करने के बाद उनकी जिंदगी बदल गई। धीरे-धीरे वे बड़े विज्ञापनों और फैशन शो का हिस्सा बनने लगीं। फिर साल 2003 में उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ आया। उन्हें फिल्म दम में बाबूजी ज़रा धीरे चलो गाने पर परफॉर्म करने का मौका मिला। इस गाने ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया; लोग फिल्म से ज्यादा याना को याद रखने लगे। इसके बाद उन्हें बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में कई आइटम नंबर मिलने लगे। वे अन्नियन जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। हालांकि, सफलता के साथ एक मुश्किल भी आई; फिल्म इंडस्ट्री उन्हें सिर्फ ग्लैमरस और आइटम नंबर वाले रोल देने लगी। याना चाहती थीं कि वे गंभीर किरदार निभाएं, लेकिन उन्हें वैसा मौका कम मिला। धीरे-धीरे उनकी पहचान सिर्फ एक आइटम गर्ल बनकर रह गई। इसके बावजूद, उन्होंने कई फिल्मों और टीवी शोज में काम किया।

क्या आम खाने से बढ़ जाता है वजन? जानिए इस मिथक की पूरी सच्चाई

गर्मियों में आम खाना किसे पसंद नहीं होता? यह स्वादिष्ट और पौष्टिक फल न केवल खाने में अच्छा लगता है, बल्कि इसमें कई विटामिन और खनिज भी होते हैं। यही कारण है कि यह फलों का राजा कहलाता है। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि आम खाने से वजन बढ़ता है। इस लेख में हम इस भ्रम की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वाकई आम खाने से वजन बढ़ जाता है या यह सिर्फ एक गलत धारणा है।

आम में मौजूद पोषक तत्व

आम में विटामिन-सी, विटामिन-ए, फोलेट, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। इसके अलावा इसमें ऐसे तत्व भी होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले कणों से लड़ने में मदद करते हैं। आम में फाइबर

भी होता है, जो पेट को सही रखता है और पेट को भरा हुआ महसूस कराता है। इससे आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती, जिससे आप अस्वास्थ्यकर चीजें खाने से बच सकते हैं।

कैलोरी की मात्रा पर ध्यान दें

आम में कैलोरी की मात्रा कम होती है, इसलिए इसे संतुलित मात्रा में खाना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। एक मध्यम आकार के आम में लगभग 60-70 कैलोरी होती हैं, जो कि अन्य फलों की तुलना में काफी कम है। इसके अलावा आम में मौजूद फाइबर और पानी की मात्रा भी इसे एक स्वस्थ विकल्प बनाती है। इसलिए, अगर आप संतुलित डाइट लेते हैं तो आम खाने से वजन नहीं बढ़ता।

संतुलित डाइट का महत्व समझें

किसी भी चीज का अधिक सेवन नुकसानदायक हो सकता है, चाहे वह कितना भी पौष्टिक क्यों न हो। अगर आप रोजाना एक या 2 आम खाते हैं तो इससे आपका वजन नहीं बढ़ेगा। इसके अलावा अगर आप संतुलित डाइट लेते हैं और नियमित शारीरिक गतिविधि करते हैं तो आम खाने से कोई समस्या नहीं होगी। इसलिए, यह कहना गलत होगा कि आम खाने से वजन बढ़ता है। साथ में संतुलित डाइट और नियमित शारीरिक गतिविधि करना जरूरी है।

शारीरिक गतिविधि करना न भूलें

वजन घटाने या बनाए रखने के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि करना बहुत जरूरी है। अगर आप रोजाना कुछ मिनट टहलते या दौड़ते हैं तो इससे आपकी कैलोरी बर्न होती है और आपका वजन नियंत्रित रहता है। इसके अलावा योग और अन्य शारीरिक गतिविधियों से भी मदद मिलती है। इसलिए, यह कहना गलत होगा कि आम खाने से वजन बढ़ता है। अगर आप इसे सीमित मात्रा में खाते हैं और अन्य पौष्टिक चीजों के साथ जोड़ते हैं तो समस्या नहीं होगी।

OnEMI Technology Announces Price Band; Public Issue to Open for Subscription on April 30

New Delhi. Fintech company OnEMI Technology Solutions has announced the price band and size for its public issue (IPO). For this IPO, a price band ranging from 162 to 171 per share has been fixed for bidding, while the lot size is set at 87 shares. The total size of this issue stands at 925.92 crore. Operating under the 'Kisht' brand, OnEMI Technology Solutions' public issue will open for subscription on April 30. Investors will be able to place bids until May 5. Following the closure of the issue, the allotment of shares will take place on May 6, while the allotted shares will be credited to Demat accounts on May 7. The company's shares are expected to be listed on the BSE and NSE on May 8. In this IPO, retail investors can bid for a minimum of one lot—comprising 87 shares—requiring an investment of 14,877. Similarly, retail investors can bid for a maximum of 13 lots—totaling 1,131 shares—with an investment of 1,93,401. Under this IPO, a total of 54,147,390 shares with a face value of 1 each, aggregating to 925.92 crore, will be issued. Of these, 49,707,602 new shares worth approximately 850 crore will be issued, while 4,439,788 shares worth approximately 76 crore will be sold through the Offer for Sale (OFS) window. In this IPO, a maximum of 50 percent of the issue size has been reserved for Qualified Institutional Buyers (QIBs). Additionally, a minimum of 35 percent of the issue is reserved for retail investors, and a minimum of 15 percent is reserved for Non-Institutional Investors (NIIs).

JM Financial Limited has been appointed as the Book Running Lead Manager for this issue, while KFin Technologies Limited has been designated as the Registrar. Regarding the financial position of One97 Communications, the prospectus asserts that, despite minor fluctuations, the company's financial health has strengthened. In the financial year 2022-23, the company reported a net profit of 27.67 crore; this figure rose to 197.29 crore in the subsequent financial year (2023-24) before declining to 160.62 crore in 2024-25. Meanwhile, during the first nine months of the previous financial year (2025-26)—specifically from April to December 31, 2025—the company recorded a net profit of 199.27 crore. During this same period, the company's debt also witnessed a continuous increase. At the end of the financial year 2022-23, the company carried a debt burden of 387.89 crore; this figure rose to 784.30 crore in FY 2023-24 and surged to 1,507.58 crore in FY 2024-25. Focusing on the first nine months of the subsequent financial year—FY 2025-26—specifically from April to December 31, 2025, the company's debt burden reached a level of 2,047.52 crore. Regarding the company's reserves and surplus, the company successfully achieved growth on this front as well during this period. It stood at 556.17 crore in FY 2022-23, increasing to 794.50 crore in 2023-24. Likewise, in 2024-25, the company's reserves and surplus reached a level of 995.32 crore. In the first nine months of the previous financial year—FY 2025-26 (April to December 31, 2025)—this figure reached a level of 1,242.32 crore. Similarly, EBITDA (Earnings Before Interest, Taxes, Depreciation, and Amortization) stood at 97.71 crore in 2022-23, rising to 358.96 crore in 2023-24. Likewise, in 2024-25, the company's EBITDA increased to 403.37 crore. Furthermore, during the first nine months of the subsequent financial year—2025-26 (i.e., from April to December 31, 2025)—it stood at 488.45 crore.

Rahul Meena, Accused in Rape and Murder of IRS Officer's Daughter, Sent to 7-Day Judicial Custody

New Delhi. Delhi's Saket Court has remanded Rahul Meena—accused of the rape and murder of an IRS officer's daughter—to seven days of judicial custody. Rahul Meena's police custody was expiring today, following which he was produced before the court. According to the Delhi Police, all items linked to the incident have been recovered from the accused. The Delhi Police have sent the mobile phones belonging to both the accused and the deceased for forensic examination to help piece together the sequence of events and activities that occurred both before and after the incident. On April 23, the court had remanded Rahul Meena to police custody until today. The Delhi Police had arrested Rahul Meena on April 22 from a hotel in Dwarka. The police produced Rahul before the court on April 23. The Delhi Police had stated that it was essential to locate Rahul Meena's mobile phone and to interrogate his family members to uncover his past criminal history. The investigating officer informed the court that cash and jewelry had already been recovered. During the hearing, the court asked Rahul Meena why he had entered the girl's house. Rahul Meena replied that he had gone there for money. The court then asked, "Why did you commit the other crimes?" To this, Rahul Meena responded that it was his mistake. An FIR regarding this case was registered at the Amar Colony Police Station.

Brief news

International Drug Syndicate Busted; Five Accused Arrested

New Delhi. The Crime Branch of the Delhi Police has exposed an organized syndicate involved in smuggling psychotropic drugs to various countries—including the United States—via international courier services. The gang utilized fake KYC documents, counterfeit invoices, WhatsApp, and banking channels to dispatch narcotics abroad. Five accused individuals have been arrested in connection with the case, and a chargesheet has been filed. However, the police have not disclosed the exact dates and locations of the arrests. Harsh Indora, Deputy Commissioner of Police (Crime Branch), stated on Monday that on September 24, 2025, intelligence was received regarding a gang smuggling narcotics to the United States via courier services. Acting on this information, a team from the AGS/Crime Branch raided a courier warehouse located on Rama Road in Moti Nagar and intercepted a suspicious parcel bound for the U.S. A subsequent examination of the parcel led to the recovery of a commercial quantity of psychotropic drugs concealed inside. Nitin, the proprietor of Ganpati Pharmaceuticals, was involved in the supply of drugs and the generation of invoices. The investigation revealed that the gang would erase the batch numbers from the medicine strips and pack them under the guise of items such as fancy lace and cotton goods. These packages were then shipped abroad via international courier services using fake identities. According to the Deputy Commissioner of Police, the gang's foreign contacts and network are also being investigated. The police state that further investigations may lead to additional revelations.

Congress Terms Merger of AAP Rebel MPs into BJP a Betrayal of the Public

New Delhi. The Congress party has termed the approval granted by Rajya Sabha Chairman C.P. Radhakrishnan for the merger of seven rebel MPs from the Aam Aadmi Party (AAP) into the BJP as a betrayal of the public. Speaking at a press conference at the party headquarters here, Congress Treasurer Ajay Maken stated that the category of these MPs has now been reclassified from "Aam Aadmi" (Common Man) to the "BJP" category, and the Rajya Sabha has officially notified this change. In the 2022 Punjab Assembly elections, the BJP secured only 6.6 percent of the votes and managed to elect merely two MLAs. Despite this, the BJP's representation in the Rajya Sabha has now surged to 85.7 percent—meaning that out of the seven MPs representing Punjab, six now belong to the BJP. How will the BJP justify to the people of Punjab how a party that received a mere 6.6 percent of the votes in the Assembly elections has come to hold an 85.7 percent share of the representation in the Rajya Sabha? Maken further alleged that the AAP acts as the BJP's "B-team" and that its leaders are anti-nationals. He accused the AAP of sending wealthy tycoons to the Rajya Sabha—based solely on their financial clout—rather than nominating deserving individuals. He noted that in 2017, Sushil Gupta quit the Congress party to join the AAP and subsequently became a member of the Rajya Sabha. Maken claimed that an examination of the affidavits submitted by the seven AAP MPs revealed that their average net worth exceeds 818 crore. Maken alleged that the AAP and Arvind Kejriwal hatched a conspiracy to defame former Prime Minister Dr. Manmohan Singh and former Chief Minister Sheila Dikshit. When the BJP was unable to take any action against these leaders, it put the AAP forward as a proxy. Now, the AAP contests elections precisely where there is a direct contest between the Congress and the BJP, with the aim of causing damage to the Congress.

Delhi Government Directs Implementation of Action Plan to Combat Severe Heat Within One Week

New Delhi. In view of rising temperatures in Delhi and the looming possibility of a severe heatwave, Lieutenant Governor Taranjit Singh Sandhu convened a crucial review meeting on Monday. District Magistrates have been instructed to take a leading role in this implementation process and to ensure that stringent measures for protection against heatstroke are arranged at public places. Special attention is to be accorded to the safety and well-being of women, children, the elderly, and laborers. Furthermore, orders were issued to emphasize the importance of caring for the city's birds and animals during conditions of extreme heat, and to closely monitor the progress in this regard. The Lieutenant Governor urged every department to discharge their responsibilities in close coordination with one another, and to accord the welfare of all citizens the highest priority.

Hearing on Sentencing of Convicts in IRS Officer's House Raid Case Scheduled for Tomorrow

New Delhi. Delhi's Tis Hazari Court has adjourned the hearing regarding the quantum of punishment for CBI Joint Director Ramneesh and retired ACP VK Pandey—who were convicted in a 25-year-old case involving an alleged raid on an IRS officer's residence. Judicial Magistrate First Class Shashank Nandan Bhatt ordered the adjournment of the hearing after a settlement proposal was submitted by the convicts. The Court directed that the hearing on the quantum of punishment be held tomorrow, i.e., April 28. During the hearing, the complainant in this case—former IRS officer Ashok Agarwal—informed the Court that the convicts had put forward certain proposals for a settlement. As part of the settlement, Ashok Agarwal has stipulated conditions requiring an unconditional apology and monetary compensation. At the time, Ashok Agarwal was serving as the Deputy Director of Enforcement in Delhi. Agarwal had alleged that the raid conducted on October 19, 2000—including the search of his residence and his subsequent arrest—was entirely wrongful and malicious. In its order, the Tis Hazari Court observed that the raid was carried out solely with the objective of circumventing an order issued by the Central Administrative Tribunal (CAT) on September 28, 2000. In its order, the CAT had directed that a review of Agarwal's suspension be conducted within four weeks. The Court noted that instead of complying with this order, the CBI officers held a clandestine meeting on the evening of October 18, 2000, and hatched a plan to raid Ashok Agarwal's residence and arrest him the following morning. The Court observed that the search of Ashok Agarwal's residence and the proceedings leading to his arrest were not only illegal, but also clearly demonstrated a blatant abuse of power. The officials, by leveraging their official positions, attempted to harass an innocent officer.

8,000–12,000-Year-Old Fossil Site Discovered in Tamil Nadu

New Delhi. The discovery of an 8,000-12,000-year-old fossil site in Tamil Nadu has been confirmed. This discovery is significant for understanding the geological history and ancient marine environment of the coastal regions of Southern India. It indicates that this area was once part of the coastline. Union Minister for Environment, Forest and Climate Change, Bhupender Yadav, stated on 'X' that the survey of fossil sites—which were exposed following heavy rains in 2023 in the Thoothukudi district of Tamil Nadu—has been completed. The Zoological Survey of India (ZSI) conducted this field study at the request of the local administration. The investigation has confirmed the existence of a new "fossil bed," believed to date back to the Holocene epoch (approximately 8,000 to 12,000 years ago). He noted that this discovery would further enrich India's fossil record pertaining to the Quaternary period. This discovery is expected to yield crucial insights into the country's ancient wildlife, environment, and climate. Commending the experts from the Zoological Survey of India, Yadav remarked that the swift and effective action taken by the scientists would pave the way for significant strides in the conservation of India's natural heritage. Notably, the fossils were primarily found in the Panaiyur, Pattinamarudur, and Kayalpattinam areas near Thoothukudi. The Zoological Survey of India has collected 104 fossil specimens, including molluscan samples (gastropods and bivalves) and fragments of fossil-bearing rocks. This discovery is significant for understanding the geological history and ancient marine environment of the coastal regions of Southern India. It indicates that this area was once part of the coastline.

Delhi Residents to Undertake Somnath Pilgrimage Under the 'Somnath Swabhiman Parv' Initiative

New Delhi: The Delhi Government has decided to organize the "Somnath Swabhiman Parv: Somnath Yatra" (Somnath Self-Respect Festival: Somnath Pilgrimage) for the people of Delhi. Under this initiative, approximately 1,300 devotees will depart from Safdarjung Railway Station for Somnath Dham on April 30. Delhi Chief Minister Rekha Gupta informed journalists at the Delhi Secretariat on Monday that the state government is organizing the "Somnath Swabhiman Parv: Somnath Yatra" for the residents of the city. This sacred initiative—the Somnath Swabhiman Parv—is dedicated to 1,000 years of unbroken faith. This journey is not merely a pilgrimage for *Darshan* (holy viewing); rather, it is a sacred opportunity to connect with Sanatan culture, Indian traditions, and one's spiritual roots. It is our prayer and commitment that, through the grace of Lord Somnath, the light of Sanatan values may spread, our culture may flourish, and the spirit of public service may be strengthened. She further stated that the train departing from Safdarjung Railway Station is scheduled to reach Somnath the following morning. From May 1 to May 3, the devotees will offer prayers at the shrine of Baba Somnath and also visit other sacred temples located in the vicinity. The Gujarat Government will make appropriate arrangements for the devotees' accommodation, meals, drinking water, and other essential amenities.

VHP Appeals to UN Over Atrocities Against Minorities in Pakistan and Bangladesh

New Delhi. Expressing deep concern over the persistent human rights violations against minorities in Pakistan and Bangladesh, the Vishva Hindu Parishad (VHP) has called upon the United Nations to intervene immediately and effectively. VHP International President and Senior Advocate Alok Kumar has written a letter to the President of the UN General Assembly, Annalena Baerbock, highlighting cases of persecution, forced conversions, and violence being perpetrated against communities—specifically Hindus, Sikhs, Buddhists, and Christians—in both countries. In a statement issued to the media on Monday, VHP National Spokesperson Vinod Bansal cited recent reports from UN human rights mechanisms and observations by experts, noting a disturbing rise in cases of forced conversions and marriages involving minor girls in Pakistan. The majority of victims in these cases belong to the Hindu and Christian communities. Such incidents have been particularly prevalent in the Sindh province. Victims are subjected to physical, mental, and social harassment. The response of Pakistan's law enforcement agencies to such cases has also frequently been described as inadequate. Alok Kumar stated that the persistence and widespread nature of these incidents indicate that the existing mechanisms for protecting minority rights are insufficient. He further emphasized that the international community and the United Nations bear a responsibility to take concrete and effective measures to halt these grave human rights violations. These measures include an independent and impartial international investigation into forced conversions and violence against minorities; the establishment of special mechanisms to ensure the safety and justice of victims; holding the concerned nations accountable in accordance with international human rights standards; and the implementation of stringent legal and institutional measures for the protection of women and minors. The VHP urged the United Nations to prioritize this issue and ensure swift, concrete action so that the lives, liberty, dignity, and rights of the affected communities may be safeguarded.

Union Minister Shivraj to Launch PMGSY-IV in Srinagar on Tuesday

New Delhi. Union Minister for Agriculture & Farmers Welfare and Rural Development, Shivraj Singh Chouhan, will embark on a two-day visit to Kashmir starting tomorrow. During this visit, on April 28, Shivraj Singh will present a major gift of development to Kashmir by launching the PMGSY-IV (Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana) - Batch II in Srinagar. Union Minister Shivraj will also release the Central share of funds amounting to 4,568.23 crore to 24 states and Union Territories under the Deendayal Antyodaya Yojana - National Rural Livelihoods Mission (DAY-NRLM). Jammu & Kashmir Chief Minister Omar Abdullah, Deputy Chief Minister Surinder Kumar Choudhary, and other senior dignitaries will also be present on this occasion. Now, the PMGSY-IV (Batch II) scheme—which entails the construction of 330 new roads covering a total length of 1,600 kilometers, carries a project value of 3,550 crore, and is set to benefit 363 habitations—is poised to take regional development to new heights. This initiative is crucial for further strengthening women's Self-Help Groups (SHGs), promoting rural livelihoods, reinforcing community institutions, and boosting self-employment-based economic activities in villages.